दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 41 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 40 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

बुधवार 14 मई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:31 बजे
सूर्यास्त सांय 19:05 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 208 | गाजियाबाद, बुधवार 14 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

अमृतसर में ज़हरीली शराब पीने से 20 की मौत, 6 की हालत गंभीर

✷ वेबवार्ता. अमृतसर ✷

पंजाब के अमृतसर में मजीठा क्षेत्र के तीन गांवों में ज़हरीली शराब पीने से भट्ठा पर काम करने वाले 20 श्रमिकों की मौत हो गई है, जबकि छह अन्य लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अमृतसर की ज़िला उपायुक्त साक्षी साहनी ने मंगलवार को बताया कि मृतकों में भंगाली , थरियावाल और मुरारी कलां गांव के लोग शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि घटना सोमवार की है। उन्होंने बताया कि शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हो गई और रात तक मृतकों की संख्या बढ़ने पर लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती छह लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। पी गई शराब के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं।

मजीठा थाना के प्रभारी (एसएचओ) आबताब सिंह ने बताया कि जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत होने की जानकारी मिलने पर इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने इस सिलसिले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभजीत नकली शराब की आपूर्ति करने वाले गिरोह का सरगना है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम कुलबीर सिंह उर्फ जग्गू, जो मुख्य आरोपी प्रभजीत का भाई है। साहिब सिंह उर्फ सराय निवासी गांव मारड़ी कलां, गुरजंट सिंह और निंदर कौर पत्नी जीता निवासी गांव थीरेवाल को भी पकड़ा गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रविवार (11 मई) की शाम को एक ही जगह से यह शराब खरीदी गई थी। इनमें से कुछ लोगों की सोमवार की सुबह ही मौत हो गई थी, लेकिन पुलिस को सूचना नहीं मिली।

वहीं स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुयी हैं। प्राथमिक जांच में पता चला है कि लोगों ने अवैध कच्ची शराब का सेवन किया था।

सेवानिवृति के बाद कोई सरकारी पद नहीं लूंगा : सीजेआई खन्ना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश के कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी पद लेने के बीच निवर्तमान सीजेआई संजीव खन्ना ने एक नई लकीर खींचने की कोशिश की है।

उन्होंने घोषणा की है कि सेवानिवृत्ति के बाद वह कोई भी सरकारी पद नहीं लेंगे। खन्ना 13 मई को सीजेआई के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। जस्टिस खन्ना के बाद बुधवार को देश के नए सीजेआई बनने जा रहे जस्टिस बी.आर. गवई भी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद वह कोई भी सरकारी पद नहीं लेंगे। देश के 51वें सीजेआई के पद से मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रहे जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद वह कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि शायद कानूनी क्षेत्र से संबंधित कुछ करेंगे। अनौपचारिक बातचीत में, सीजेआई खन्ना ने कहा कि हमारे जेहन में कई विचार चल रहे हैं, हम विधि/कानून के क्षेत्र में ही कुछ करेंगे। इसके अलावा 14 मई (बुधवार) को देश के 52वें सीजेआई बनने जा रहे जस्टिस बी.आर. गवई ने भी पहले ही अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में कह चुके हैं कि वह अपनी सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी सरकारी पद नहीं लेंगे। भविष्य बताता है, आपका निर्णय सही था या गलत : सीजेआई खन्ना जस्टिस यशवंत वर्मा के घर भारी मात्रा में

SC ने वक्फ संपत्ति को गिराने पर उत्तराखंड सरकार से मांगा जवाब

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजीकृत वक्फ संपत्ति (एक दरगाह) को ध्वशत किए जाने को गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा है।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश उस याचिका पर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया कि केंद्र सरकार द्वारा 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में दिए गए आश्वासन के बावजूद देहरादून में एक दरगाह को 25-26 अप्रैल की मध्यरात्रि में बिना किसी नोटिस के ध्वशत कर दी गई।

जस्टिस बी.आर. गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस मामले में उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

इससे पहले, याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि संबंधित धार्मिक स्थल को 1982 में वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया गया था और शीर्ष अदालत के समक्ष केंद्र द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद इसे ध्वशत कर दिया गया।

जस्टिस गवई ने कहा कि हम इसे उन मामलों (वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 से संबंधित) के साथ रखेंगे। मामले की सुनवाई 15 मई को होगी। उसी दिन वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर भी सुनवाई होगी।

अधिवक्ता फुजैल अहमद अय्यूबी के माध्यम से दायर अवमानना याचिका में कहा गया कि दरगाह हजरत कमाल शाह को 1982 में सुन्नी सेंट्रल बोर्ड ऑफ वक्फ्स, लखनऊ के साथ वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया गया था। याचिका में कहा गया कि यह 150 से अधिक वर्षों से धार्मिक महत्व का एक प्रतिष्ठित स्थल है और एक निर्विवाद वक्फ संपत्ति है।

कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं : भारत

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत एवं पाकिश्तान के बीच मध्यस्थता करने संबंधी बयान को मंगलवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय तरीके से हल करने की नीति है और दोनों के बीच एक ही मुद्दा लंबित है कि पाकिश्तान को अवैध रूप से कब्जाए गये भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति के जम्मू-कश्मीर को लेकर की गयी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हमारा लम्बे अरसे से यही राष्ट्रीय पक्ष रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिश्तान को द्विपक्षीय तरीके से ही हल करना है। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जैसा कि आप जानते हैं, लंबित मामला केवल पाकिश्तान द्वारा अवैध रूप से कब्ज़ा किए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। श्री जायसवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की नीति किसी भी तीसरे पक्ष के हश्तक्षेप की नहीं है।

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी करने वाले मप्र के मंत्री को बर्खास्त करें मोदी : खरगे

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अभद्र टिप्पणी करने पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि अपशब्द कहने वाले मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तत्काल बर्खाश्त करना चाहिए। श्री खरगे ने कहा, "भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री ने हमारी वीर बेटी कर्नल सोफिया क़ुरैशी के बारे में बेहद अपमानजनक, शर्मनाक और ओछी टिप्पणी की है। पहलगाम के आतंकी देश को बाँटना चाहते थे लेकिन इस पर आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरा देश 'ऑपरेशन सिंदूर'के दौरान एकजुट था।"

बंगलादेश में जल्द कराये जायें चुनाव : भारत

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत ने बंगलादेश में लोकतंत्र का दायरा निरंतर सीमित होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आज कहा कि वहां जल्द से जल्द निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराये जाने चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में बंगलादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाये जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में एक तरीका होता है जो वहां नहीं अपनाया जा रहा। उन्होंने कहा कि बंगलादेश में लोकतंत्र का दायरा निरंतर सिकुड़ रहा है और लोकतांत्रिक आजादी को रोका जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत का मानना है कि और उसका आह्वान है कि बंगलादेश में जल्दी से जल्दी निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराये जायें। बंगलादेश में सुश्री हसीना की सरकार के खिलाफ बगावत के बाद वह देश छोड़कर भारत आ गयी थी।

अवामी लीग पर प्रतिबंध पर भारत ने चिंता जताई

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत ने बंगलादेश की अंतरिम सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाये जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए देश में शीघ्र ही स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं समावेशी चुनाव कराने की वकालत की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कहा, "अवामी लीग पर उचित प्रक्रिया के बिना प्रतिबंध लगाया जाना चिंताजनक है। एक लोकतंत्र के रूप में, भारत स्वाभाविक रूप से लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं में कटौती और राजनीतिक स्थान के सिकुड़ने से चिंतित है। हम बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव जल्द से जल्द कराने का पुरजोर समर्थन करते हैं।"

नक्सल के खिलाफ बड़ा संकल्प पूरा होने की ओर कदम बढ़ा रही एजेंसियां

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर कर्रेगुट्टा हिल्स के आसपास के घने जंगलों में 'ऑपरेशन संकल्प पूरा होने को है।

अभियान की सफलता को देखकर माना जा रहा है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा मार्च 2026 के पहले नक्सल खात्मे की घोषणा के अनुरूप एजेंसियां तेजी से कदम आगे बढ़ा रही हैं। नक्सलरोधी ऑपरेशन में कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

इनकी संख्या का खुलासा जल्द किया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा, अब तक दक्षिण-पश्चिम बश्तर में चल रहे नक्सल विरोधी ऑपरेशन में हमें अच्छे परिणाम मिले हैं। सभी सुरक्षा बल सुरक्षित हैं और बश्तर क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए ऑपरेशन अब भी चल रहा है।

अधिकारी ने कहा, सुरक्षा कारणों से अभी ज्यादा जानकारी का खुलासा नहीं किया जा सकता। 28 हजार से अधिक सुरक्षाबल ऑपरेशन में शामिल इस ऑपरेशन को बश्तर में सबसे बड़े आतंकवाद विरोधी अभियानों में से एक बताया जा रहा है।

मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा कि इस ऑपरेशन में 28 हजार से अधिक सुरक्षा बलों को शामिल किया गया।

इसमें छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बश्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और इसकी विशिष्ट कोबरा यूनिट सहित विभिन्न यूनिटों के जवान शामिल हैं। 21 अप्रैल से अब तक करीब 35 मुठभेड़ हो चुकी हैं। एक अधिकारी ने कहा, हमने 400 से अधिक आईईडी और करीब 40 हथियार तथा लगभग दो टन विस्फोटक सामग्री बरामद की है।

नक्सलियों की सबसे मजबूत विंग पर चोट तेलंगाना स्टेट कमेटी और भारी हथियारों से लैस 'बटालियन नंबर 1 के नेताओं सहित टॉप नक्सली लीडर्स की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों ने यह ऑपरेशन शुरू किया था।

'बटालियन नंबर 1 नक्सलियों की सबसे मजबूत विंग मानी जाती है। पुलिस के अनुसार, कर्रेगुट्टा हिल्स का इलाका बटालियन नंबर 1 का गढ़ है। खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि ऑपरेशन के दौरान कई सीनियर नक्सली कैडर मारे गए हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सैकड़ों नक्सली ठिकाने नष्ट, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद अब तक सैकड़ों नक्सली ठिकाने और बंकर नष्ट कर दिए गए हैं और भारी मात्रा में विस्फोटक, डेटोनेटर, खाद्य आपूर्ति और दैनिक उपयोग की वश्तुएं बरामद की गई हैं।

इस साल अब तक 168 नक्सली ढेर सूत्रों का कहना है कि ताजा कार्रवाई के साथ, इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग एनकाउंटरों में 168 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 151 नक्सली बश्तर डिवीजन में मारे गए, जिसमें बीजापुर समेत सात जिले शामिल हैं।

भाजपा देशभर में ले जाएगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

ऑपरेशन सिंदूर और पाकिश्तान के साथ सैन्य संघर्ष में देश की सफलता को भाजपा देशभर में ले जाने में जुट गई है। पार्टी गैर राजनीतिक व राजनीतिक दोनों तरह से इस अभियान को चलाएगी। इसके लिए सभी राज्यों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। भाजपा के बैनर से हटकर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा भी इसी का हिस्सा है। दस दिन के इस अभियान के बाद राजग के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 25 मई को दिल्ली में बैठक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को देश के नाम संबोधन से मिले मंत्र को अब भाजपा देश भर में ले जाएगी।

संघर्ष विराम को लेकर पार्टी और जनता के बीच बने माहौल को भी पार्टी अपने इस अभियान में शामिल करेगी। देशभर में विभिन्न संगठनों द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा भले ही भाजपा के बैनर व झंडे के तहत न हो, लेकिन इसे उसका पूरा समर्थन हासिल है। दरअसल भाजपा इसे गैर राजनीतिक रूप देकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना चाहती है। सूत्रों के अनुसार, तिरंगा यात्रा का पूरा तानाबाना पार्टी के तीन महासचिवों की देखरेख में तैयार हो रहा है। 13 मई से 23 मई तक अलग-अलग स्थानों पर निकाली जाने वाली इस यात्रा में भाजपा के नेता बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। उसकी राज्य सरकारें व तमाम केंद्रीय मंत्री भी अपने हिसाब से भागीदारी करेंगे। इसके अलावा पार्टी के अन्य कार्यक्रमों में भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जिक्र किया जाएगा, लेकिन राजनीतिक बयानबाजी नहीं होगी। भाजपा नेतृत्व इस पूरे अभियान में राजग को भी शामिल कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, पूरे अभियान व घटनाक्रम को लेकर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजग के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में पूरी जानकारी देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के करण रद्द उड़ान सेवा श्रीनगर एयरपोर्ट से परिचालन फिर शुरू

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पाकिश्तान के साथ तनाव के चलते अभी तक काफी हवाई अड्डों से उड़ान सेवा शुरू नहीं हो पाई है। मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे से 70 से अधिक उड़ाने रद्द रहीं।

हालांकि दोपहर से श्रीनगर से दिल्ली के बीच उड़ान सेवा संचालित हुई लेकिन शाम को बंद कर दी गई है। संभावना जताई जा रहा है कि अगर स्थिति सामान्य रहती है तो बुधवार को कुछ स्थानों के लिए उड़ान सेवा संचालित हो जाएगी।

सुरक्षा के मद्देनजर इंडिगो, एयर इंडिया ने मंगलवार को जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट के लिए उड़ान सेवा को रद्द रखा।

इंडिगो की तरफ से जानकारी दी गई है कि बुधवार को जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह और श्रीनगर के लिए उड़ान सेवा संचालित की जाएगी। यात्री अपनी सुविधा के लिए विमान का स्टेट्स देखते रहें। दूसरी विमानन कंपनियां भी बुधवार से अपनी उड़ान सेवा शुरू करेंगी। हालांकि अभी तक बॉर्डर पर तनाव की स्थिति है, जिसको देखते हुए उड़ान सेवा शुरू करने का अंतिम फैसला देर रात या फिर बुधवार सुबह तक ही होगी।

क्योंकि अभी तक विमान कंपनियों ने काफी स्थानों के लिए टिकटों की बुकिंग शुरू नहीं की है। ध्यान रहे कि तनाव के चलते अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा से सटे राज्यों के 32 एयरपोर्ट को परिचालन के लिए बंद किया गया था लेकिन सोमवार सुबह एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने प्रेस नोट जारी कर परिचालन पर लगी रोक को हटाने की बात कही थी, जिसके बाद विमानन कंपनियों ने उड़ान सेवा शुरू करनी की प्रक्रिया शुरू कर दी थी लेकिन सोमवार रात को सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण होने के कारण दिल्ली से अमृतसर जा रही इंडिगो को फ्लाइट के बीच राश्ते से वापस दिल्ली लौटनाा पड़ा था।

केंद्र 'सड़क हादसा पीड़ितों के लिए कैशलेस योजना प्रभावी तरीके से लागू करे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सड़क हादसे के पीड़ितों को त्वरित यानी 'गोल्डन ऑवर में समुचित इलाज मुहैया कराने को एक सप्ताह में कैशलेस योजना को सही अर्थों में (प्रभावी तरीके से) लागू करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने यह निर्देश तब दिया, जब केंद्र ने कहा कि हादसा पीड़ितों के लिए कैशलेस योजना अधिसूचित कर दी गई है।

केंद्र ने कहा, इस योजना के तहत पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। जस्टिस अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने इसके बाद योजना को सही अर्थों में यानी प्रभावी तरीके से लागू करने और इसके समुचित क्रियान्वयन को लेकर केंद्र सरकार को अगश्त, 2025 के अंत तक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। पीठ ने हलफनामे में, उन सड़क हादसा पीड़ितों के बारे में भी जानकारी देने को कहा, जिन्हें इस दौरान कैशलेस इलाज मिला हो। पीठ के समक्ष केंद्र सरकार ने कहा कि सड़क हादसा पीड़ितों को समय से समुचित इलाज देने के लिए कैशलेस योजना को अधिसूचित करने के साथ ही, इसे 5 मई से लागू कर दिया गया है। पीठ को बताया कि केंद्र की अधिसूचना के तहत किसी भी सड़क पर मोटर वाहन दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार 1.5 लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का हकदार होगा।

ट्रंप का प्रस्ताव खारिज, सिर्फ पीओके की वापसी ही लंबित मुद्दा

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कश्मीर पर मध्यस्था के प्रश्ताव पर कहा कि यह भारत-पाक के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है।

हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जैसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'हमारा लंबे अरसे से यही राष्ट्रीय पक्ष रहा है कि जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिश्तान को द्विपक्षीय तरीके से ही हल करना है। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लंबित मामला केवल पाकिश्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिश्तान के बीच परमाणु हमले की आशंका जताए जाने पर भारत ने कहा कि हमारी सैन्य कार्रवाई पूरी तरह से पारंपरिक है।

मेहनत रंग लाई ग्रेट इंडियन एकेडमी की छात्रा अक्षी चौधरी ने 92.8% अंकों से किया टॉप

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

सी-बी एस ई के द्वारा कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम मंगलवार अपराह्न को घोषित किया गया। सी बी एस ई के द्वारा घोषित हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर से उत्कर्ष प्रति प्रदर्शन किया।

परीक्षा परिणाम देखकर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे उनकी साल भर की मेहनत रंग लाई। सभी छात्र-छात्राओं ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय का तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन कर उनका मान बढ़ाया। कक्षा 10 की छात्रा अक्षी चौधरी ने 92.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।, पायल सिंह ने 89.8% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खुशी चौधरी ने 85.6% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय के प्रबंधक श्री गौरव डाबरा, प्रधानाचार्य श्री मुकुल शर्मा, उप- प्रधानाचार्या श्रीमती दीक्षा डाबरा, एकेडमिक डीन मिस्त्र आयुष अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा 'यह परिणाम हमारे शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत का फल है।' साथी सभी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सपा चली जनता के द्वार शमशाद

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर मैं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर चलाए जा रहे पीडीए कार्यक्रम के तहत ग्राम भगवानपुर जनसंपर्क करने के बाद अंबेडकर धर्मशाला में नुक्कड़ सभा की। PDA के बारे में बताया के हम 90% हैं और 10 परसेंट वाले सरकार चला रहे हैं। जबकि सरकार 90% वालों की होनी चाहिए।

शमशाद रशीद ने कहा 2027 के चुनाव में किसी की धांधली नहीं चलेगी और 2027 में पूर्ण बहुमत की सरकार समाजवादी पार्टी की बनेगी और अखिलेश जी मुख्यमंत्री होंगे। आपके यहां का विधायक मंत्री बनेगा प्रदेश का विकास होगा। श्री रशीद ने अंबेडकर धर्मशाला को देखकर अफसोस जताया उसमें ना लाइट है पानी का नल भी नहीं है। दलितों का वोट लेने वाले लोग अब इस गांव में मुड़कर भी नहीं देखते लोगों ने अखिलेश यादव जी की सरकार को याद किया। उन्होंने संसद को अपने गांव में बुलाने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता राम सिंह ने वह संचालन जगराम ने किया बैठक में मूलचंद सिंह दिनेश सिंह सुंदर सिंह जनेश्वर सिंह रूपचंद सिंह प्रेम सिंह मोनू सिंह शाहिद अली सोनू सिंह गांव के लोग मौजूद रहे।

सत्संग के सभी श्रद्धालुओं ने सतगुरु संत श्री संजय जी महाराज को रथ में बैठाकर कर शोभायात्रा निकाली

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

थाना क्षेत्र के ग्राम मिर्जापुर में मानव सेवा आश्रम लोक परलोक सुधार आध्यात्मिक सत्संग के भक्तों द्वारा सतगुरु संत श्री संजय जी महाराज कुम्हार पुरा वाले गुरु जी की शोभायात्रा और कलश यात्रा का आयोजन किया गया। गांव के मंदिर से ही महिलाओं ने 51 कलश अपने सिर पर रखकर गांव के हर गली चौराहे से निकलती हुई सत्संग पंडाल पर पहुंची। इस दौरान महिलाओं और पुरुषों और बच्चों ने जमकर फूल बरसाए।

जय-जय सतगुरु जय जय सदगुरु, हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जय जयकारों से सारे गांव को गुंजा दिया। गुरु जी के भजनों से सारे गांव को गुरुमय भक्त बना दिया। गुरुजी की शोभा यात्रा सत्संग पंडाल में जाकर संपन्न हुई।

मेहनत रंग लाई ग्रेट इंडियन एकेडमी की छात्रा अक्षी चौधरी ने 92.8% अंकों से किया टॉप

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

सी-बी एस ई के द्वारा कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम मंगलवार अपराह्न को घोषित किया गया। सी बी एस ई के द्वारा घोषित हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर से उत्कर्ष प्रति प्रदर्शन किया। परीक्षा परिणाम देखकर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे उनकी साल भर की मेहनत रंग लाई।

सभी छात्र-छात्राओं ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय का तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन कर उनका मान बढ़ाया। कक्षा 10 की छात्रा अक्षी चौधरी ने 92.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।, पायल सिंह ने 89.8% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खुशी चौधरी ने 85.6% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय के प्रबंधक श्री गौरव डाबरा, प्रधानाचार्य श्री मुकुल शर्मा, उप- प्रधानाचार्या श्रीमती दीक्षा डाबरा, एकेडमिक डीन मिस्त्र आयुष अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा 'यह परिणाम हमारे शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत का फल है।'

इसरो और सेना की जोड़ी ने किया कमाल, आसमान से थी पूरे पाकिस्तान पर नजर, चुन-चुनकर किया वार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देशी और विदेशी कॉमर्शियल स्पेस एसेट्स का बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमारे सभी रणनीतिक स्पेस एसेट्स का ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अलग-अलग तरीकों से उपयोग किया गया। हमारी टीमें लगातार काम कर रही थीं और हमें गर्व है कि इसरो देशहित में सशस्त्र बलों की मदद कर सका।

भारतीय सेना के पास लगभग 9-11 सैन्य सैटेलाइट: एक अन्य अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना के पास लगभग 9-11 सैन्य सैटेलाइट उपलब्ध हैं। इनके अलावा भी इसरो ने अमेरिका की कॉमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी कंपनी मैक्सार से भी डेटा हासिल करने में मदद की। अधिकारी ने कहा कि हमारे कार्टोसैट सीरीज के सैटेलाइट से प्राप्त इमेजरी का इस्तेमाल योजना बनाने में हुआ, वहीं मैक्सार से दैनिक रूप से मिलने वाली हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरों ने ऑपरेशन को और धार दी।

कार्टोसैट-2सी जैसे सैटेलाइट 0.65 मीटर तक की रिजॉल्यूशन के साथ तस्वीरें उपलब्ध कराते हैं। यह भारत की सैन्य

खुफिया प्रणाली का अहम हिस्सा हैं। ये सैटेलाइट पहले भी 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक जैसे अभियानों में उपयोग में लाए जा चुके हैं। इसके अलावा रीसैट सीरीज के रडार इमेजिंग सैटेलाइटों से इलाके में गतिविधियों की निगरानी की गई और जीसेट सीरीज ने संचार व्यवस्था को संभाला। इस लिहाज से पूरा पाकिस्तान भारत की जद में था। यही वजह है कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान पर इतना सटीक हमला किया कि उससे केवल वही टारगेट हिट हुए जिन्हें नष्ट करने की योजना थी। पाकिस्तान के एयरबेस पर चुन-चुनकर हुए हमले इसका सबसे सटीक उदाहरण हैं।

जीपीएस सिस्टम्स ने भी इस ऑपरेशन में की मदद: अधिकारी ने बताया कि भारतीय सैटेलाइट औसतन हर 14 दिन में किसी विशिष्ट क्षेत्र की इमेज प्रदान कर सकते हैं, लेकिन व्यावसायिक सैटेलाइटों से यह डेटा रोजाना उपलब्ध हो सकता है। साथ ही भारत की एनएवीआईसी प्रणाली और अन्य वैश्विक जीपीएस सिस्टम्स ने भी इस ऑपरेशन में नेविगेशन और पोजिशनिंग में मदद की। इंडियन स्पेस एसोसिएशन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) ए.के. भट्ट ने कहा, आधुनिक युद्ध में स्पेस टेक्नोलॉजी अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसमें इमेजरी, सैट-कॉम और पीएनटी (पोजिशनिंग, नेविगेशन एंड टाइमिंग) की व्यापक भूमिका होती है।

एक और सैटेलाइट लॉन्च करने जा रहा इसरो

इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने भी ऑपरेशन पर सीधी टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने यह पुष्टि की कि वर्तमान में 10 सैटेलाइट भारतीय सेना के लिए 24गुणा 7 काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 18 मई को भारत ईओएस-09 या रीसेट-1 बी नामक एक और महत्वपूर्ण सैटेलाइट लॉन्च करेगा, जो सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करेगा। यह सैटेलाइट सी-बैंड सिंथेटिक एपरचर रडार सिस्टम से लैस होगा, जो किसी भी मौसम और अंधेरे में भी सतह की साफ इमेज प्रदान करने में सक्षम होगा। नारायणन ने यह भी बताया कि आने वाले पांच वर्षों में भारत 100 से 150 सैटेलाइट लॉन्च करेगा, जिनमें से 52 सैटेलाइट स्पेस-बेस्ड सर्विलांस-3 (एसबीएस-3) कार्यक्रम के तहत होंगे, और इनमें से 31 सैटेलाइट निजी क्षेत्र द्वारा विकसित किए जाएंगे। यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में भारतीय सशस्त्र बलों और अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के बीच सहयोग और भी सशक्त होने जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य

ऑपरेशन सिंदूर को 7 मई 2025 को शुरू किया गया था, जो 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। ऑपरेशन का उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट करना था। भारतीय सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन को सटीकता के साथ अंजाम दिया, ताकि नागरिक और सैन्य ढांचों को न्यूनतम नुकसान हो।

गुजरात में पाकिस्तानी लिंक वाले मौलाना के मदरसे पर चला दिया बुलडोजर

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में पुलिस ने एक मौलाना का पाकिस्तानी लिंक सामने आने के बाद उसकी ओर से संचालित किए जा रहे मदरसे को बुलडोजर से मिट्टी में मिला दिया है। मौलाना मोहम्मद फजल अब्दुल अजीज शेख की ओर से चलाया जा रहा था। मौलाना के फोन में पाकिस्तानी कनेक्शन वाले कई वॉट्सऐप ग्रुप मिलने के बाद पुलिस ने यह ऐक्शन लिया है। अमरेली के डीएसपी पीआर राठौर ने कहा कि एसडीएम की जांच में पाया गया कि मदरसे के पास दस्तावेज नहीं हैं। संचालक यह बताने में असफल रहे कि यह मदरसे की जमीन उनकी है और निर्माण कानूनी तरीके से किया गया है। मौके पर भारी सुरक्षाबल को तैनात किया गया था। हालांकि, पुलिस को किसी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा।पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुजरात पुलिस ने अमरेली से संदिग्ध मौलाना को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान उसका पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया था। उसके फोन में 7 संदिग्ध पाकिस्तानी और अफगानिस्तानी वॉट्सऐप ग्रुप पाए गए थे। पुलिस मौलाना से पूछताछ करके यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह पाकिस्तान में किन लोगों के संपर्क में था और उसका मकसद क्या था। धारी पुलिस स्टेशन में मौलाना के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मौलाना मूल रूप से अहमदाबाद का रहने वाला है और अमरेली में मदरसा चला रहा था।

जांच से पहले ही जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से गायब हो गया था कैश, किसका हाथ? बढ़ने वाली है मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में कैश बरामद होने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एक इन-हाउस जांच समिति ने पुष्टि की है कि 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के घर में आग लगने की घटना के बाद वहां से कैश बरामद किया गया था। हालांकि, जांच शुरू होने से पहले ही यह कैश रहस्यमय तरीके से गायब हो गया, और इसके पीछे जस्टिस वर्मा के आवास पर कार्यरत कर्मचारियों का हाथ होने का संदेह जताया जा रहा है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, आग बुझाने के बाद जब कमरे को खोला गया, तो वहां बड़ी मात्रा में जली हुई नकदी मिलने की बात सामने आई। बताया जा रहा है कि यह कमरा लॉक था और उसे तोड़कर खोला गया। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा गया है कि जब इस बारे में जस्टिस वर्मा से सवाल किया गया तो उन्होंने गलत और भ्रामक जानकारी दी। बरामद नकदी की सही राशि अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है, क्योंकि जांच से पहले ही नकदी गायब हो चुकी थी।

पद से हटाने की सिफारिश: सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस जांच समिति ने इस पूरे मामले में गंभीरता को देखते हुए जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की सिफारिश की। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने प्रारंभिक जांच करवाई और तुरंत प्रभाव से जस्टिस वर्मा से न्यायिक कार्य वापस ले लिया गया। इसके बाद उन्हें बिना किसी न्यायिक जिम्मेदारी के इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया। जांच समिति की रिपोर्ट और जस्टिस वर्मा के जवाब को भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा है। उच्च न्यायालय के जजों के लिए निर्धारित इन-हाउस जांच प्रक्रिया के तहत, यदि कोई जज इस्तीफा नहीं देता, तो मुख्य न्यायाधीश को ही राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखना होता है।

हालांकि, जस्टिस वर्मा ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने अपने जवाब में लिखा कि जिस कमरे से नकदी मिली, वह कई लोगों के लिए खुला रहता था और उनका इस नकदी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने इसे पूरी तरह से बेबुनियाद और हास्यास्पद करार दिया। अब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा इस मामले में क्या कदम उठाए जाएंगे, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा के लिए आगे क्या?: 8 मई को सीजेआई संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया, जो इस बात का संकेत है कि जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। स्ट की समिति में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज अनु शिवरामन शामिल थे।

इंदिरा ने गलती ना की होती तो पीओके हमारा होता

अनिल विज ने पुराना जख्म कुरेद कांग्रेस पर बोला हमला

चंडीगढ़, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने सोमवार को कहा कि 1971 में सैनिकों ने जो लड़ाई मैदान में जीती थी, वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने टेबल पर हरा दी थी। विज ने चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने हमारे देश का बेड़ागर्क किया क्योंकि पहले आपातकाल लगाया। 1971 की जंग में हमारे पास 93 हजार युद्धबंदी थे और लगभग 13 हजार एकड़ जमीन हमारी सेना ने जीती थी। अगर उस समय वह कोई भी शर्त चाहतीं तो मनवा सकती थीं।

विज ने कहा कि अगर इंदिरा गांधी ने उस वक्त पीओके वापस लेने की शर्त रखी होती क्योंकि पीओके हमारा है तो वह हमें मिल जाता लेकिन उस समय सैनिकों ने जो लड़ाई मैदान में जीती थी, वह इंदिरा गांधी टेबल पर हार गई थीं। उन्होंने बताया कि राजा हरि सिंह ने जिस विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, उसमें पीओके भी था और वह हमें दिया

गया था। भाजपा नेता ने कहा कि इंदिरा गांधी को शिमला समझौते के लिए कभी माफ नहीं किया जा सकता।

अभी सीजफायर हुआ है, लड़ाई खत्म नहीं हुई: भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ की मीटिंग के सवाल पर विज ने कहा कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच अभी सीजफायर ही हुआ है, लड़ाई खत्म नहीं हुई। भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ होने वाली मीटिंग के बारे में उन्होंने कहा कि ये पाकिस्तान नहीं बल्कि ना-पाकिस्तान है, सीजफायर ही हुआ है, लड़ाई खत्म नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सेनाएं वैसे की वैसे बॉर्डर पर खड़ी हैं, बैरकों में नहीं गई हैं। युद्ध खत्म तब माना जाता है, जब सेनाएं बैरकों में चली जाती हैं। मोदी का सीधा पैगाम है, अगर तुम गोली मारोगे तो हम गोला मारेंगे।

कांग्रेसियों को नासमझ बताया: पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद विपक्ष द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग पर अनिल विज ने कहा कि जो सीक्रेट बातें हैं, वहां उनको डिस्क्लोज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कांग्रेसियों को नासमझ बताते हुए कहा कि इनको युद्ध की कहां समझ है। उन्होंने कहा कि आर्मी में तो साथ वाले व्यक्ति को भी पता नहीं होता कि कौन सी मिसाइल चलनी है, कहां चलनी है क्योंकि ये लड़ाई की नीति होती है।

टला नहीं पाकिस्तान से हमले का खतरा? एयर इंडिया-इंडिगो ने रद्द कर दीं 7 शहरों की फ्लाइट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही औपचारिक रूप से सीजफायर का ऐलान हो गया है लेकिन तनाव की स्थ्ति अब भी बनी हुई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इंडिगो और एयर इंडिया ने सात शहरों की फ्लाइट कैंसल कर दी हैं। इनमें श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ और तीन अनय शहर शामिल हैं। एयर इंडिया ने जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़, राजकोट का टू वे फ्लाट ऑपरेशन रद्द कर दिया है। वहीं इंडिगो ने जम्मू. अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट की फ्लाइट कैंसल की हैं। विमानन कंपनी ने सोमवार रात 11 बजकर 38 मिनट पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर और आपकी सुरक्षा को हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें 13 मई 2025 के लिए रद्द कर दी गई हैं।' एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसकी टीम सक्रियता से स्थिति पर नजर रख रही हैं।

पाकिस्तान की सीमा से लगे पंजाब के चार जिलों के स्कूल अभी भी बंद

चंडीगढ़ , एजेंसी। भारत-पाक संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी पाकिस्तान की सीमा से सटे पंजाब के चार जिलों में स्कूल अभी भी बंद हैं। आईएएनएस से बात करते हुए एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि गुरदासपुर को छोड़कर पाकिस्तान की सीमा से लगे पंजाब के इन जिलों में एहतियात के तौर पर मंगलवार को स्कूल बंद रहेंगे। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के तुरंत बाद अमृतसर, पठानकोट, जालंधर और होशियारपुर में अधिकारियों ने लोगों से जरूरी न होने पर बाहर निकलने से बचने की अपील की और सेना के अधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद आंशिक ब्लैकआउट लागू कर दिया। जालंधर में सोमवार शाम को सशस्त्र बलों ने एक निगरानी ड्रोन को मार गिराया।

जालंधर के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु अग्रवाल ने कहा, मुझे बताया गया है कि मंड गांव के पास रात करीब 9.20 बजे सशस्त्र बलों ने एक निगरानी ड्रोन को मार गिराया। विशेषज्ञों की एक टीम मलबे की तलाश कर रही है। बाद में अग्रवाल ने कहा कि रात

10 बजे के बाद जालंधर में कोई ड्रोन गतिविधि नहीं हुई। रात 10.45 बजे एक संदेश में उन्होंने लोगों को मलबे के पास न जाने और तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करने की सलाह दी।

होशियारपुर डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने दसूया इलाके में कुछ धमाके सुने जाने की पुष्टि की और फिर सेना के अधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद आंशिक ब्लैकआउट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों से मिली जानकारी के आधार पर दसूया और मुकेरिया इलाकों में ब्लैकआउट लगाया गया है। सीमावर्ती जिले अमृतसर में सामान्य गतिविधि देखी गई, लेकिन अलर्ट जारी किया गया और साथ ही सोमवार को कुछ घंटों के लिए ब्लैकआउट लगाया गया। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली से अमृतसर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट को राज्य के अन्य हिस्सों में ड्रोन गतिविधि देखे जाने के बाद डायवर्ट किया गया।

सुबह-सुबह अमृतसर की डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी ने एक्स पर लिखा, अब आपको एक छोटा सा सायरन सुनाई दे सकता है - यह दर्शाता है कि अलर्ट खत्म हो गया है और हम अपनी सामान्य गतिविधियों को फिर से शुरू कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

पठानकोट जिला भी अलर्ट पर रहा क्योंकि कथित तौर पर भारत-पाक सीमा पर स्थित बामियाल इलाके में ड्रोन देखे गए। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमा पार आतंकवाद के लिए इस्लामाबाद की कड़ी आलोचना की और कहा कि बातचीत और आतंक, खून और पानी एक साथ नहीं चल सकते।

ट्रंप कुछ भी दावा कर निकल गए, पीएम मोदी ने क्यों नहीं दिया जवाब? कांग्रेस ने उठाए सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को लेकर चुप रहे। कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं कि क्या भारत ने अमेरिका की मध्यस्थता को स्वीकार कर लिया है और अमेरिका के कहने पर वह पाकिस्तान के साथ किसी तीसरे देश में वार्ता के लिए सहमत हो गया है। इस दौरान कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह मांग एक बार फिर दोहराई है कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के संबोधन से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को व्यापार बंद करने की धमकी थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष रुका सका। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''प्रधानमंत्री का लंबे समय से टलता आ रहा राष्ट्र के नाम संबोधन राष्ट्रपति ट्रंप के कुछ मिनट पहले किए गए खुलासों से पूरी तरह दब गया। प्रधानमंत्री ने उन पर एक शब्द भी नहीं कहा।'' जयराम रमेश ने सवाल किया, ''क्या भारत ने अमेरिका की मध्यस्थता स्वीकार कर ली है? क्या भारत पाकिस्तान के साथ वार्ता के लिए किसी तटस्थ स्थल पर सहमत हो गया है? क्या अब भारत अमेरिका की इन मांगों को मान लेगा कि वह ऑटोमोबाइल, कृषि और अन्य क्षेत्रों में अपने बाजार खोल दे?'' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री को तुरंत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करनी चाहिए।

ग्राहकों से लोन की रकम वसूलकर फरार हुआ कर्मचारी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। सिहानी गेट थानाक्षेत्र में फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी ग्राहकों से वसूले गए लोन के 1.33 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। कंपनी के यूनिट मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अंकित कुमार का कहना है कि वह भारत फाइनेंस इंक्लूजन लिमिटेड कंपनी की नेहरू नगर शाखा के यूनिट मैनेजर हैं। उनकी कंपनी जरूरतमंदों को आसान किश्तों पर लोन देती है और साप्ताहिक संग्रह करती है। उनकी कंपनी में रामपुर के मिलक निवासी नरेंद्र कुमार फील्ड स्टाफ के पद पर कार्यरत था। एक महिला समूह ने लोन लेकर उसे बंद कराया था। लोन की बकाया राशि के तौर पर 1.33 लाख रुपये नरेंद्र कुमार ने वसूले थे। आरोप है कि नरेंद्र ने यह रकम कंपनी में जमा न करके अपने इश्तेमाल में खर्च कर ली। शक होने पर कंपनी ने विभागीय जांच की तो गबन उजागर हुआ। आरोप है कि पोल खुलती देख आरोपी नौकरी छोड़कर फरार हो गया। बकाया रकम जमा करने के संबंध में नोटिस भी दिए गए, लेकिन नरेंद्र ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। थक-हारकर यूनिट मैनेजर ने सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। जेपीए पूनम मिश्रा का कहना है कि आरोपी कर्मचारी के खिलाफ गबन का केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला का मंगलसूत्र छीना

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। पटेल मार्ग स्थित अग्रसेन भवन के बाहर बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला का मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित ने शोर मचाते हुए पीछा किया, लेकिन बदमाशष हाथ नहीं आ सके। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर बदमाशों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। विजयनगर थानाक्षेत्र के मवई गांव में रहने वाले सिंटू पाल का कहना है कि आठ मई की रात को वह सिहानी गेट थानाक्षेत्र के अग्रसेन भवन में आयोजित शादी समारोह में परिवार के साथ शामिल होने आए थे। करीब पौने 11 बजे खाना खाने के बाद घर के लिए जाने लगे। वह और उनका परिवार गाड़ी के पास आकर खड़ा हुआ था कि अचानक से बाइक सवार दो बदमाश आए और उनकी पत्नी का मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। मंगलसूत्र में सोने का पैंडिल डला हुआ था। बदमाश पुराने बस अड्डे की तरफ भाग गए। उन्होंने शोर मचाते हुए बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं आ सके। घटना के संबंध में उन्होंने नौ मई को सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। जेपीए पूनम मिश्रा का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है।

आयुष्मान कार्ड बनाने का झांसा देकर 3.60 लाख ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में एक व्यक्ति के घर आए जालसाज ने आयुष्मान कार्ड बनाने का झांसा देकर 3.60 लाख रुपये हड़प लिए। साइबर सेल की जांच के बाद सोमवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। प्रह्लादगढ़ी निवासी कल्लू ने बताया कि बीते साल घर पर एक व्यक्ति आया था। उसने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए कहा कि आपका आयुष्मान कार्ड बनेगा, जिसके बाद सरकार आपके खाते में पांच लाख रुपये भेजेगी। झांसे में आकर कल्लू ने अपना मोबाइल, आधार नंबर और खाते की सभी जानकारी आरोपी को दे दीं। पीड़ित के मुताबिक, जालसाज ने अपने लैपटॉप में सभी डिटेल्स डाली थीं। पहली बार में उनके खाते से 9900 रुपये ट्रांसफर हुए। इसके बाद ढाई लाख और बाकी रकम तीसरी बार में ट्रांसफर कर ली गई। पीड़ित के मुताबिक जालसाज ने उनका खाता पूरी तरह से खाली कर दिया। आरोप है कि तुरंत शिकायत देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और अब केस दर्ज किया गया है। जेपीए इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जालसाज को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बैनर फाड़ने के मामले में दस लोगों के खिलाफ केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव मनौली में मकान और आफिस से डॉ. भीमराव अंबडेकर का बैनर फाड़ने के मामले में पुलिस ने एक माह बाद दस लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। गांव मनौली निवासी नितिपाल ने बताया कि गत 13 अपैल को अपने मकान व ऑफिस के मेन गेट पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का बैनर लगाया था। आरोप है कि 15 अप्रैल को दूसरे समुदाय के लोगों ने बैनर फाड दिया। जब इसका विरोध किया तो मारपीट की गई। इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी गई,लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ति ने इस संबंध में डीसीपी ग्रामीण को शिकायत पत्र दिया। डीसीपी ने रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए है। एसीपी ने बताया कि मंगलवार को तहरीर के आधार पर गफ्फार, साबू,साजिद उर्फ भोला,साबिर,वकील व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

उत्तर पूर्व की ओर जाने वाली ट्रेन दो महीने तक फुल

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। गर्मी की छुट्टियों में उत्तर पूर्व की ओर जाने वाली अधिकतर ट्रेन में सीट फुल हैं। सभी ट्रेन में लंबी वेटिंग है। इससे गाजियाबाद रेलवे आरक्षण केंद्र पर रोजाना 100 से ज्यादा टिकट रद्द कराई जा रहीं। यात्रा की तिथि तय होने के कारण लोग दो माह पहले सीट बुक करनी शुरू कर देते हैं। वहीं, जो लोग बाद में यात्रा की योजना बनाते हैं, उन्हें वेटिंग टिकट मिलती है। इन दिनों सबसे ज्यादा मारामारी उत्तर पूर्व की ओर जाने वाली ट्रेन में है। सभी ट्रेन में वेटिंग 100 के पार है। ऐसे में जिन लोगों की वेटिंग टिकट 100 से पार है और वह यात्रा की तिथि नजदीक आते ही टिकट रद्द करा रहे हैं। दस दिन पहले देहरादून, जम्मू, कटरा की ओर जाने वाली ट्रेन में सीट नहीं मिल रही थीं, लेकिन अब इस रूट की ट्रेन में सीट खाली हो गई हैं। वहीं, मुंबई और गोवा की तरफ जाने वाली ट्रेन में भी सीट फुल हैं। किसी भी ट्रेन में कोई सीट खाली नहीं है। इनमें भी वेटिंग 100 से 150 के पार है। तत्काल सेवा ही सहारा ट्रेन में कन्फर्म सीट पाने के लिए अब केवल तत्काल सेवा एकमात्र सहारा है। तत्काल सेवा 24 घंटे पहले शुरू होती है। इन दिनों इस तत्काल सेवा में भी मारामारी है। यहां भी लाइन में तीसरे और चौथे नंबर के बाद सब सीट फुल हो जा रही।

मथुरा में मेथोडिस्ट अस्पताल की जमीन पर बिना

मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध कॉलोनी का निर्माण जारी

✷ **एनसीआर टुडे. मथुरा** ✷

महानगर के पुराने प्रसिद्ध अस्पताल मेथोडिस्ट की जमीन पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध कॉलोनी का निर्माण बदश्तूर जारी है। सूत्र बताते हैं इस अवैध कॉलोनी के संबंध में मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकार द्वारा ध्वश्तीकरण का नोटिस भी जारी किया चुका है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार नई महा योजना 2031 में उक्त जमीन का लैंड यूज नर्सिंग होम ही दर्ज है। पूर्व में भी इस जमीन पर मेथोडिस्ट अस्पताल बना हुआ था।

बताते हैं यह जमीन ईसाई मिशनरीज ने कुछ लोगों को बेची है। इस अवैध कॉलोनी को बचाने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ नेता विकास प्राधिकरण के अधिकारियों पर दबाव बनाए हुए हैं। नियमानुसार इस जगह पर केवल स्वास्थ्य सुविधा संबंधी भवन बनाया जा सकता है।

इस संबंध में पूछे जाने पर विकास प्राधिकरण सचिव अरविंद द्विवेदी ने कहा कि विभिन्न समाचार पत्र और सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त हो रही है कि उक्त स्थान पर पुनः अवैध निर्माण किया जा रहा है जिसको लेकर अवर अभियंता को निर्देश दिए गए है कि वह तत्काल जेसीबी ले जाकर मुख्य गेट सहित जो भी पक्का निर्माण मौके पर उसको ध्वश्त करा दे।

उन्होंने बताया पूर्व में तीन बार जेसीबी से ध्वश्तीकरण की कार्रवाई स्थानीय पुलिस बल की मौजूदगी में की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अब मुकदमा दर्ज कराने की भी कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है राहुल अग्रवाल, मेथोडिस्ट चर्च जयसिंहपुरा द्वारा लगभग 11000 वर्ग गज क्षेत्रफल में भूमि को समतल करने का कार्य किया गया जिसमे विभाजन करने हेतु दीवार लगाई गई। प्राधिकरण की चैकिंग टीम को स्थल पर कोई स्वीकृति नहीं दिखाये जाने पर प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए वाद संख्या-451/2023-24 योजित किया गया था।

राहुल अग्रवाल द्वारा उक्त अवैध भू-विभाजन के सम्बन्ध में कोई मानचित्र स्वीकृति सम्बन्धी अभिलेख प्रश्तुत नहीं किये गये। तत्पश्चात विपक्षी द्वारा कराये गये अवैध निर्माण के विरूद्ध ध्वश्तीकरण आदेश 06 मई 2024 पारित किया गया।

उक्त आदेश में यह अंकित किया गया था "उक्त अवैध निर्माण को 15 दिन के अन्दर ध्वश्त कराकर मलवा हटालें अन्यथा आदेश पारित होने के 15 दिन के बाद उक्त अवैध निर्माण को प्राधिकरण अपने खर्चे पर ध्वश्त करा देगा एवं इस कार्यवाही पर जो भी व्यय आयेगा उसे विपक्षी से भू-राजस्व की भांति वसूल किया जायेगा।

पारित ध्वश्तीकरण आदेश के क्रम में 20 जून 2024 को उक्त अवैध निर्माण को ध्वश्त करा दिया गया है।

सर्राफ की दुकान से दिनदहाड़े गहने लूटे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी के ट्रॉनिका सिटी थानाक्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े नकाबपोश तीन बदमाशों ने सर्राफ की दुकान में घुसकर चार लाख रुपये के गहने लूट लिए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

मंगल बाजार कॉलोनी में रहने वाले हितेश की घर से चंद कदमों की दूरी पर आभूषणों की दुकान है। उनके पिता उमाशंकर वर्मा ने बताया कि सोमवार को वह दुकान पर कारीगर विजय के साथ बैठे थे। हितेश काम से बाहर गया था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बाइक सवार तीन बदमाश दुकान के पास पहुंचे। तीनों ने कपड़े से चेहरा ढक रखा था। गली में बातचीत के बाद एक बदमाश दुकान में अंदर आया और सोने का भाव पूछते हुए पिश्तौल तान दी। बदमाश ने पीड़ित के हाथ से सोने की अंगूठी उतार ली।

इसके बाद बाकी दोनों बदमाशों ने भी पिश्तौल तानकर उन्हें और कारीगर को चुप रहने की धमकी दी। बदमाशों ने दुकान की तिजोरी में रखे चांदी के आभूषण के छह डिब्बे, काउंटर में रखे गणेश लक्ष्मी और गिलास आदि सामान लूट लिया। पहले दो बदमाश दुकान से बाहर गए और एक बदमाश पिश्तौल तानकर खड़ा रहा। बदमाश गाली देते हुए दुकान से निकलकर पल्सर बाइक पर बैठकर फरार हो गए। लूट की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

पीड़ित के मुताबिक, बदमाश चार लाख रुपये के गहने लूट ले गए। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने मौका मुआयना कर डीवीआर को कब्जे में लिया।

नौ अक्तूबर 24 में हुए सड़क हादसे में युवक की मौत मामले में केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

वेव सिटी थानाक्षेत्र में पिछले साल नौ अक्तूबर को कैंटर की टक्कर से युवक की मौत के मामले में पुलिस ने 10 मई को केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी चालक को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली के उत्तरी घौंडा निवासी मोहम्मद शाहिद का कहना है कि उनका भाई मोहम्मद जाहिद करीब डेढ़ साल से वेव सिटी थानक्षेत्र के रोहन एनक्लेव में रह रहा था। नौ अक्तूबर 2024 की रात वह घर में सो रहा था। इसी दौरान मकान के बाहर लगे एसी में कोई गाड़ी टकरा गई। आवाज सुनकर उनका भाई जाहिद बाहर निकलकर आया तो वहां कैंटर दिखाई दिया। आरोप है कि कैंटर चालक ने उनके भाई को भी टक्कर मार दी, जिससे वह टायर के नीचे आ गया।

शाहिद के मुताबिक उनके भाई को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन लोगों ने गाड़ी का नंबर नोट कर लिया। घटना के संबंध में मोहम्मद शाहिद ने 10 मई को वेव सिटी थाने में शिकायत दी।

जेपीए प्रियाश्री पाल का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी चालक को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। सड़क हादसों में दो लोग घायल नंदग्राम के घूकना मोड़ निवासी पूजा सैनी का कहना है कि उनके पति स्विगी में डिलीवरी ब्वॉय हैं। नौ मई की शाम करीब सात बजे वह राजनगर एक्सटेंशन में गोल्डन व्यू रिसॉर्ट के सामने खड़े हुए थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन उन्हें चक्कर मारकर फरार हो गया। घटना में उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। पूजा सैनी ने 11 मई को नंदग्राम थाने में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। दूसरे मामले में नंदग्राम सी-ब्लॉक में रहने वाले सुरेश का कहना है कि 27 अप्रैल की तड़के करीब तीन बजे वह वेदांता फार्म हाउस से ड्यूटी खत्म करके स्कूटी से घर जा रहे थे। हाईटेक कॉलेज के सामने गलत दिशा में आई बाइक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। घटना में वह घायल हो गए, जबकि स्कूटी भी क्षतिग्रश्त हो गई। घटना के संबंध में पीड़ित ने 12 मई को वेव सिटी थाने में केस दर्ज कराया है।

मदरसे में गूंजा देशभक्ति का स्वर देश के लिए शहीद जवानों और निर्दोष नागरिकों को दी श्रद्धांजलि

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

मंगलवार को बिजनौर में देशभक्ति, एकता और इंसानियत की मिसाल उस समय देखने को मिली जब चांदपुर रोड स्थित मदरसा माहदुल उलूमिल इस्लामिया व फुरकानिया हायर सेकेंडरी स्कूल में भारत-पाकिश्तान के बीच संघर्ष मे देश के लिए शहीद हुए वीर जवानों और मारे गए निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम न केवल एक धार्मिक स्थल में आयोजित किया गया, बल्कि एक ऐसे स्थान पर हुआ जहाँ से शिक्षा, शांति और भाईचारे का संदेश समाज को मिलता है।

श्रद्धांजलि सभा में मदरसे के छात्र और शिक्षक उपस्थित थे, शांति और एकता का प्रतीक बना यह आयोजन एक सामाजिक सौहार्द्र का भी उदाहरण बन गया, जहाँ धर्म, जाति और भाषा से परे इंसानियत और देशभक्ति सर्वोपरि थी। मदरसे के प्रबंधक डॉ मौलाना फुरकान मेहरबान अली अल मदनी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा

"हम भारतीय मुसलमान सबसे पहले इस देश के नागरिक हैं। भारत हमारा वतन है, और इसकी मिट्टी में हमारी आस्था, हमारी जड़ें और हमारा भविष्य इसी में बसा है। जो जवान सरहद पर खड़े होकर हमें चैन की नींद सुलाते हैं, उनकी कुर्बानी अनमोल है। आज हम उनके लिए दुआ कर रहे हैं, लेकिन कल अगर वक़्त आया, तो उनकी राह पर चलने के लिए भी तैयार हैं।" "मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी दिल से शुक्रिया करता हूँ, जिन्होंने हर समय देश के सिपाहियों की हिम्मत बढ़ाई और राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने दुनिया के सामने भारत की ताकत, गरिमा और एकता का परिचय दिया। आज उनके नेतृत्व में भारत एक मज़बूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में खड़ा है।"

मौलाना ने कहा "हमारा मजहब हमें अमन, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश देता है। किसी भी इंसान का खून बहना केवल एक समुदाय की नहीं, पूरी इंसानियत की हार है। हम उन सभी भारतीय निर्दोष नागरिकों के लिए भी दुआ करते हैं, जो इस संघर्ष में अपनी जान गंवा बैठे। वे भी हमारे अपने थे।"

सभा के दौरान मदरसे के छात्रों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत क्या,

कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर मौन धारण कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के अंत पर मौलाना ने कहा कि "हम भारत के मुसलमान हैं, और हमें गर्व है कि हम इस मिट्टी से जुड़े हैं। यह देश हमारा है और इसका हर जवान हमारा भाई। हमें मिलकर इसकी हिफाज़त करनी है, इसके लिए दुआ भी करनी है और जब ज़रूरत पड़े, तो जान भी देनी है। यही असली इस्लाम है, यही असली देशभक्ति।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर रक्षा मंत्रालय के पूर्व अधिकारी से 1.11 करोड़ ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर रक्षा मंत्रालय के रिटायर्ड अधिकारी से 1.11 करोड़ रुपये ठग लिए। जालसाजों ने ऑनलाइन मुनाफा दर्शाकर पीड़ित को जाल में फंसाया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी में रहने वाले रक्षा मंत्रालय के रिटायर्ड अधिकारी का कहना है कि साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर उनसे दस मार्च 2025 से 20 मई 2025 तक ठगी की।

शुरूआत में उन्हें 88-एएसके इनसाइडर एक्सचेंज नाम के व्हॉट्सऐप ग्रुप से निमंत्रण मिला। क्लिक करने पर वह ग्रुप में शामिल हो गए।

इसके बाद उनसे एएसके एमआईएन नाम की ऐप डाउनलोड कराई गई और उस पर यूजर आईडी बनवाई गई। व्हॉट्सऐप ग्रुप के एडमिन ने मोटा मुनाफा मिलने की बात कहकर उन्हें ट्रेडिंग के लिए प्रोत्साहित करना शुरू कर दिया।

उन्होंने ग्रुप में शामिल प्रिया शर्मा ने फर्म का सेबी पंजीकरण दिखाने को कहा तो उसने व्हॉट्सऐप पर भेज दिया, जो एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर लिमिटेड मुंबई के नाम से था। ऑनलाइन चेक करने पर पंजीकरण इसी नाम से मिला। उन्होंने पांच लाख पांच हजार रुपये से निवेश शुरू किया। निवेश करने पर ऐप में उन्हें ऑनलाइन मुनाफा दर्शाकर जालसाजों ने उनसे 1.11 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। पैसा खत्म होने पर जालसाजों ने उन्हें कंपनी की तरफ से 50 लाख के लोन का ऑफर दिया। आरोपियों ने यह रकम उनके शेटर ट्रेडिंग खाते में समायोजित कर ली।

रिटायर्ड अधिकारी का कहना है कि खोजबीन करने पर पता चला कि जालसाजों ने एएसके कंपनी के नाम का इश्तेमाल किया था। प्रमाम-पत्र पर एएसके कंपनी के निदेशक भरत शाह के फर्जी हश्ताक्षर थे।

पीड़ित के मुताबिक शेयर ट्रेडिंग के खाते में 12.40 करोड़ रुपये की रकम दिखाई दे रही थी। उन्होंने पैसा निकालने का प्रयास किया तो हर बार कोई न कोई त्रुटि बता दी गई। प्रिया शर्मा से संपर्क करने पर उसने बताया कि रकम निकालने के लिए उन्हें पहले लोन के 50 लाख रुपये देने होंगे।

उन्होंने खाते में जमा राशि में से 50 लाख काटने की बात कही तो प्रिया शर्मा ने इनकार कर दिया। पीड़ित का कहना है कि वह हकीकत जानने के लिए मुंबई में एएसके कंपनी में गए तो पता चला कि प्रिया शर्मा नाम की कोई कर्मचारी उनके यहां कार्यरत नहीं है और कंपनी के नाम का दुरूपयोग कर उन्हें ठगा गया है।

ठगी के संबंध में रिटायर्ड अधिकारी ने 12 मई को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह का कहना है कि केस दर्ज कर जालसाजों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दस लाख के लोन के चक्कर में साढ़े नौ लाख गंवाए

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। दस लाख के लोन के चक्कर में खोड़ा निवासी व्यक्ति ने साढ़े नौ लाख रुपये गंवा दिए। जालसाजों ने फाइनेंस कंर्मी बनकर अलग-अलग बहानों से रकम ट्रांसफर कराई। ठगी के संबंध में पीड़ित ने सोमवार को साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। प्रशांत विहार खोड़ा कॉलोनी निवासी शकील अहमद का कहना है कि 10 नवंबर 2020 को उनके पास अनजान नंबर से फोन आए। एक ने अपना नाम दीपक बंसल और दूसरे ने अनिकेत बताते हुए अपना परिचय बजाज फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में दिया। दोनों ने उनका लोन पास होने की बात कहते हुए फार्म भरने के लिए कहा।

उन्होंने आरोपियों को अपनी डिटेल बता दी, जिसके बाद उन्होंने दस लाख रुपये का लोन स्वीकृत होने का पत्र भेज दिया। शकील अहमद के मुताबिक इसके बाद आरोपियों ने कहा कि लोन की रकम रिलीज कराने के लिए उन्हें सात फीसदी पैसा उनके बताए खाते में ट्रांसफर करना होगा। इस तरह आरोपियों ने उनसे अलग-अलग बहानों से 1.95 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद उनके पास सुनील कुमार और हर्ष मित्तल नाम के व्यक्ति का फोन आया।

उन्होंने खुद को गृह मंत्रालय से बताया और लोन की रकम तथा फंसा हुआ पैसा दिलाने के नाम पर कई बार में रकम ट्रांसफर कराई। इसके बाद उनके पास नौ फरवरी 2022 को फिर से बजाज फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधि बनकर एक व्यक्ति का फोन आया। पैसा वापस कराने का झांसा देकर उसने भी उनसे कई बार रकम ट्रांसफर कराई। पीड़ित का कहना है कि आरोपी कभी फाइल में कमी तो कभी किसी अन्य बहाने से उनसे पैसा ऐंठते रहे। इस तरह जालसाजों ने उनसे नवंबर 2020 से जनवरी 2025 के बीच 9.58 लाख रुपये ठग लिए। ठगी के संबंध में पीड़ित ने 12 मई को साइबर थाने में शिकायत दी। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अवैध थ्री-व्हीलर और ई-रिक्शा बन गए है मौत की सवारी, मौलिक अधिकार का उल्लंघन बता मानवाधिकार आयोग में की शिकायत

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

वर्ल्ड एक्रेडिटेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स के राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी डॉ तारिक ज़की ने नागरिकों के जीवन के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का उल्लंघन बताते हुए मानवाधिकार आयोग में अपील दायर कर नागरिको की सुरक्षा की लगाई गुहार लगाते हुए अवैध रूप से शहरों में बेरोकटोक घूम रहे आटों रिक्शा, ई-रिक्शा पर कार्रवाई की मांग की है।

धामपुर निवासी तारिक जकी ने कहा है कि जनपद व आसपास के क्षेत्रों में हजारों बिना लाइसेंस, पंजीकरण, बीमा और फिटनेस वाले थ्री-व्हीलर, ऑटो व ई-रिक्शा बेरोकटोक सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इनकी तकनीकी हालत अत्यंत खराब है – ब्रेक फेल, सिग्नल अनुपस्थित, ओवरलोडिंग आम बात बन चुकी है। इनमें अधिकांश चालक अयोग्य हैं और स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों की जान खतरे में डालकर ओवरलोडेड कर जान से खिलवाड़ करते हुए मौत की सवारी 'बनें हुए हैं। एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार का संज्ञान लेते हुए सामाजिक/ मानवाधिकार/ वर्ल्ड एक्रेडिटेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स के राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी डॉ तारिक ज़की ने इसको सीधे-सीधे नागरिकों के जीवन के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का उल्लंघन बताते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग की चुप्पी इस गम्भीर मुद्दे को और भी संदेहास्पद बनाती है। डॉ ज़की ने कहा कि वर्ल्ड एक्रेडिटेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स संस्था इस विषय पर गहरी चिंता व्यक्त करता है और उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग मे शिकायती अपील दायर कर अपील करता है।

1. क्षेत्र में चल रहे अवैध वाहनों की तत्काल जांच कराई जाए।
2. बिना वैध दश्तावेज, बीमा व फिटनेस के वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए।
3. ओवरलोडिंग और स्कूली बच्चों की जान को खतरे में डालने वालों पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाए।
4. ट्रैफिक पुलिस व परिवहन अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जाए।
5. एक स्वतंत्र न्यायिक समिति गठित कर इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कराई जाए ताकि भविष्य में ऐसे मानवाधिकार उल्लंघन की पुनरावृत्ति न हो।

डॉ. तारिक ज़की ने कहा कि यह मामला केवल ट्रैफिक व्यवस्था का नहीं, जनसुरक्षा और बच्चों के भविष्य से जुड़ा एक मानवाधिकार संकट है। यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह प्रशासन की घोर लापरवाही का उदाहरण बन जाएगा।

सहायक पोस्ट मास्टर को दी गई विदाई

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

नगर के पोस्ट ऑफिस में तैनात सहायक पोस्ट मास्टर पमित कुमार का

स्थानांतरण मंडावर का हो गया है। वे बेहद मिलनसार अच्छे स्वभाव के कारण लोगो के दिलो मे बसे थे।

उनके स्थानांतरण से स्टाफ में मायूसी छा गई सभी स्टाफ ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

इस मौके पर पोस्ट मास्टर गिरवर सिंह एवं स्टाफ विपिन कुमार राज सिंह, विकास अग्रवाल पत्रकार, राजू अग्रवाल पत्रकार, जयपाल सिंह आर्य आदि ने विदाई दी।

चारा काटने गये किसान पर गुलदार ने किया हमला, जिला अस्पताल भर्ती

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

गांव फुलसंदा खाकम में चारा काट रहे किसान पर गुलदार ने हमला कर गंभीर रूप से घायल किया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसे जिला अस्पताल रैफर किया गया।

वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जंगल में कांबिंग की, लेकिन गुलदार का कोई अता पता नहीं लग सका है। गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने लोगो को पिंजरा लगाए जाने का आश्वासन दिया है। मंगलवार की प्रातः को गांव फुलसंदा खाकम निवासी जय सिंह पुत्र मोहन सिंह 52 वर्ष अपने 26 वर्षीय पुत्र नवीत के साथ जंगल गया था। बताया जाता है कि वह पशुओं के लिए चारा काट रहा था। इसी दौरान अचानक गुलदार ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पिता पर गुलदार द्वारा किए गए हमले को देखकर नवनीत शोर मचाते हुए गुलदार से भिड़ गया।

किसानों के शोर शराबे से गुलदार वहा से भाग गया। घायल को सीएचसी में लाया गया। जहां से उसकी हालत गम्भीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गुलदार के हमले को लेकर जंगल में काम कर रहे किसानों में दहशत का माहौल पैदा हो गया। सूचना पर वन विभाग की टीम व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने जंगल में कांबिंग की।

इससे पूर्व भी शौकत अली के खेत में भी गुलदार एक पशु को निवाला बना चुका है व 40 वर्षीय खुर्शीद अहमद पुत्र अब्दुल शकूर निवासी फुलसंदा खाकम हमला कर घायल किया था। लगातार गुलदार की दश्तक क्षेत्र में देखी जा रही है, जिसको लेकर किसान चिंतित है।

संपादकीय

शांति की दिशा में सीजफायर बेहतर पहल!

युद्ध विनाशक है, सभी इसे भलीभांति जानते है। युद्ध के पक्षधर आम जन कभी नहीं हो सकते पर युद्ध की स्थिति किसी कारण वश बन जाए तो पीछे लौटना मुश्किल हो जाता। इस तरह की स्थिति को समझने के लिए युद्ध के इतिहास पर एक नजर डालें जहां प्राचीन काल के महाभारत में केवल पांच पांडव हीं बचे कौरव दल सहित शेष सारे मारे गये। विश्व युद्ध का वीभत्स परिदृश्य, वर्तमान में 24 फरवरी2022 से रुस यूक्रेन के बीच जारी युद्ध सामने है। जो अभी भी जारी है। इसमें कितना जान माल का नुकसान हुआ, कितने निर्दोष मारे गये, प्रभावित देश हीं बता सकते, भारत-पाक में पूर्व में हुए युद्ध का इतिहास सामने है। कारगिल में बहुत कुछ खोया। युद्ध के अंत में समझौता हीं काम आता है। जहां खोने के शिवाय कुछ शेष नहीं रह जाता।

आज वारूद की ढ़ेर पर दुनियां बैठी हुई है। परमाणु बम से लेकर एक से एक बढ़कर खतरनाक मानव अहितकारी बम सभी के पास है। कोई किसी से कम नहीं। चंद समय भी नहीं लगेगा सुंदर सी दुनियां उजाड़ने में। आज जो युद्ध युद्ध की बात कर रहे है, उन्हें इस बात को समझने की महती आवश्यकता है। तब सीजफायर की उपयोगिता समझ में आयेगी।

पाक पड़ोसी देश है, पर आतंकवाद को पनाह देने के कारण आजतक भारत का सही पड़ोसी नहीं बन पाया। आजादी के बाद से ही आतंकवाद को भारत के खिलाफ खड़ा रहा, आज भी आतंकी भेजने का क्रम जारी है। जिसका ताजा उदाहरण पहलगाम की ताजी आतंकवादी घटना है जहां पहली बार धर्म की आड़ में निर्दोष जान ले ली गई। बहुत हीं बुरा हुआ जिसके प्रतिरोध में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर का अमल कर जिसे युद्ध कभी भी कहा नहीं जा सकता , आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में सराहनीय कदम उठाया जिसकी सराहना विश्व भर में हुई।

पाकिश्तान ने इसके विरोध में भारत पर प्रहार किया। जिसे युद्ध का स्वरूप कहा जा सकता फिर भी भारत ने उसके प्रहार को प्रभावहीन करते हुए केवल आतंकवाद को केन्द्रित कर जवाबी कार्रवाई की। विश्व के सभी देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के कदम की प्रशंसा की एवं पाक के कदम की आलोचना की। धीरे -धीरे स्थिति युद्ध की ओर बढ़ती जा रही थी तभी अमेरिका ने पहल कर भारत - पाक युद्ध को सीजफायर की स्थिति बनाकर टालने की कोशिश की। उसके पहल पर सीजफायर की घोषणा दोनों देश ने की, जो शांति एवं दोनों देश के अमन-चैन की दिशा में सकरात्मक कदम है। वैसे आतंकवाद के अधीन पाक ने तत्काल सीजफायर का उल्लंघन कर भारत पर प्रहार करना शुरू कर दिया है, जिसके लिये अमेरिका ने पाक को फटकार भी लगाई। भारत पाक के हर नापाक इरादे को नेश्तनाबूद करना अच्छी तरह जानती है। सीजफायर की पहल सकरात्मक हो, तभी शांति अमन-चैन दोनों देश में कायम हो सकेगा। पाक आतंकवाद को पनाह न दें तभी पड़ोसी देश की भूमिका निभा सकता है। सीजफायर अच्छी पहल है जो सराहनीय कदम है।

आतंक और महिलाएं

पहलगाम हमले में अपने पति को खोने वाली भारत की बेटियों का बदला आखिरकार भारतीय सेना ने सिंदूर से लिया। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कुल 9 आतंकवादी अड्डों पर मिसाइल से निशाना साधकर उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। इस मिशन की जानकारी जब पहलगाम हमले में शिकार बने परिवारों को मिली, तब उनकी आंखें खुशी से नम हो गईं। सभी परिवारों ने उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सेना का धन्यवाद जताया। भारत ने पाकिस्तान में कार्रवाई की।

इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इस अभियान को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। भारत का ये एक्शन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी अटैक के बाद हुआ। इसमें हरियाणा के नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल भी मारे गए थे। विनय कोच्चि में तैनात थे। विनय अपनी पत्नी हिमांशी के साथ हनीमून पर कश्मीर गए हुए थे। 16 अप्रैल को उनकी शादी हुई थी। इसके बाद वह कश्मीर में हनीमून पर आए थे, लेकिन 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में आतंकी अटैक में उनको गोली मार दी गई। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने खासतौर से पुरुषों को निशाना बनाया था और उनके परिवार के सामने उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से ही देश में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्से का माहौल था और कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही थी। लोगों की डिमांड पर भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर स्ट्राइक की।

हालांकि पहलगाम की पीड़ित महिलाएं इस स्ट्राइक से संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कल्पना से भी परे डिमांड कर दी। हमले में मारे गए समीर गुहा की पत्नी सरबरी गुहा ने कहा कि सिर्फ कुछ आतंकवादी शिविरों पर हमला करने से शांति नहीं आएगी, बल्कि पाकिस्तान को नक्शे से हटाना ही स्थायी समाधान है। सरबरी ने कहा, मैंने जो खोया है, उसे वापस नहीं पा सकती। लेकिन इस हमले से हम सभी को थोड़ी राहत तो मिली। मैं इस ऑपरेशन के लिए केंद्र सरकार और सेना को शब्दों में धन्यवाद नहीं दे सकती। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को पूरी तरह से नक्शे से नहीं हटाया गया तो ऐसी घटना फिर हो सकती है। मुझे यकीन है कि सरकार इस खतरे को रोकने के लिए आगे कदम उठाएगी।

समीर गुहा के रिश्तेदार सुशांत घोष ने कहा, उम्मीद थी कि सरकार कार्रवाई करेगी। हम सभी इसका इंतजार कर रहे थे और आखिरकार हमला हो गया। वहीं, मृतक बितान अधिकारी की पत्नी सोहिनी अधिकारी ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने अपना सिंदूर खोया है, किसी अन्य महिला को अपना सिंदूर नहीं खोना चाहिए। सोहिनी ने कहा, मुझे अभी भी विश्वास है कि मेरे दिवंगत पति हमें देख और सुन सकते हैं। मुझे लगता है कि वह भी इस हमले से खुश हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत की कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस बयान के अनुरूप है जिसमें पहलगाम हमले के दोषियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया गया है।

भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

लगभग 20 दिनों की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन करने का फैसला लिया तो देश को इत्मीनान हुआ कि आखिरकार प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा को लेकर सीधी बात करेंगे।

इससे पहले सोमवार दोपहर तक भारत-पाक के बीच संघर्ष को लेकर कई किस्म के सवाल चर्चा में थे, जैसे अमेरिका किस तरह भारत और पाकिश्तान के मामले में दखलंदाजी कर सकता है।

क्या चीन ने इस बार पाकिश्तान को भारत पर आक्रमण करने में मदद की है। क्या भारत ने अमेरिका के पास जाकर युद्धविराम की पहल की। इन सवालों के बीच पहले खबर आई कि भारत और पाक के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस यानी डीजीएमओ श्तर पर चर्चा हो रही है और उसके थोड़ी देर बाद खबर आ गई कि प्रधानमंत्री मोदी रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। माना गया कि यह संबोधन ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम को लेकर ही होगा।

दरअसल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के संबोधन का इंतजार इसलिए था क्योंकि उनकी चुप्पी से बातें अनावश्यक उलझती जा रही थीं। श्री मोदी ने भले ही राजनैतिक लाभ के लिए चुप रहना बेहतर समझा हो, लेकिन इसका कूटनीतिक नुकसान भारत को हुआ और पार्टी के तौर पर भी भाजपा को इसमें संभावित नुकसान ही हुआ। इसलिए रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर भाजपा के मंत्रियों और बड़े नेताओं की बैठक हुई, और मंगलवार से पार्टी ने 10 दिनों तक यानी 23 मई तक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां देश को बताई जाएंगी।

हालांकि सैन्य अभियानों की उपलब्धियां गिनाने की जरूरत नहीं होती। हाथ कंगन को आरसी क्या, जो कुछ सेना ने किया वह नजर आ ही जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी दिख रहा था कि भारत के आगे पाकिश्तान पश्त पड़ रहा है। लेकिन शनिवार शाम से हालात बदल गए।

पहले युद्धविराम का ट्रंप की तरफ से ऐलान करना, फिर भारत का यही घोषणा करना और उसके बाद पाकिश्तान की तरफ से नए हमले, ये सारा घटनाचक्र इतनी जल्दी घूमा कि जनता परेशान हो गई कि आखिर कौन सी मजबूरी थी कि भारत को युद्धविराम के लिए सहमत होना पड़ा। युद्धविराम के लिए क्या किसी कागज पर हश्ताक्षर हुए हैं, अगर नहीं तो क्या मुंहजुबानी बात को मान लिया जाए।

पाकिश्तान इस बात को क्यों नहीं मान रहा। क्यों एक तरफ पाकिश्तान के हमले हो रहे हैं और दूसरी तरफ शाहबाज शरीफ जीत वाला भाषण दे रहे हैं। ये सारे सवाल विपक्ष से ज्यादा भाजपा समर्थक लोग और खासकर पत्रकार ही उठाने लगे। इस बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिजनों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग भी होने लगी क्योंकि युद्धविराम की जानकारी उन्होंने ही दी थी।

भाजपा ने ट्रोल आर्मी की शक्ल में भस्मासुर पाले हैं, यह बात जाहिर होने लगी। भाजपा ने पहलगाम हमले को जिस तरह चुनाव में भुनाने की योजना बनाई होगी, वह अमल में आने से पहले ही बेकार होती नजर आई तो अब प्रधानमंत्री को सामने आना ही पड़ा।

इस बीच अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी हालात ऐसे बने जिसमें नजर आया कि किस तरह भारत को अकेला किया जा रहा है। शाहबाज शरीफ ने तो अपने संबोधन में अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, तुर्किए, सऊदी अरब, कतर सबका नाम लेकर शुक्रिया अदा कर दिया, और इनमें से किसी ने भी ये नहीं कहा कि अपनी लड़ाई में हमारा नाम मत लो।

यानी सबने सहमति दी कि वो पाकिश्तान के साथ खड़े थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जो बार-बार ये कहते रहे कि भारत-पाक मेरे लिए दोनों बराबर हैं, उन्होंने भी इस युद्धविराम की घोषणा से पाकिश्तान को खुश और भारत को असहज कर दिया।

भारत की यह नीति रही है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है और इसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन ट्रंप ने पहले युद्धविराम का ट्वीट किया फिर अगले दिन के ट्वीट में कश्मीर मसले का जिक्र कर संकेत दे दिए कि ये दखलंदाजी अब कश्मीर मुद्दे तक पहुंचने वाली है।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लिखा है कि भारत और पाकिश्तान विवादों को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश में बात करेंगे। और रुबियो के ट्वीट पर कारोबारी एलन मस्क ने लिख दिया बधाई। यानी अमेरिका ने पूरी तरह भारत को अपनी शर्तों पर चलता हुआ दिखाने की कोशिश की। इस बात ने भारत को असहज कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर के ट्वीट से इसका पता चलता है।

भारतीय विदेश मंत्री ने लिखा है, 'भारत-पाकिश्तान गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक सहमति पर पहुंचे हैं। आतंकवाद के खिलाफ़ भारत समझौता नहीं करेगा और यही रुख़ आगे भी रहेगा।' इस ट्वीट मे न कहीं अमेरिका का जिक्र है, न उसे पाकिश्तान की तरह धन्यवाद दिया गया है। यही होना भी चाहिए था, लेकिन श्री मोदी कूटनीति में विफल हो गए।

उनकी विफलता का नमूना अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी दिखा। सीएनएन ने पहले दावा किया कि भारत ने अमेरिका को मध्यस्थता के लिए कहा। वहीं द टेलीग्राफ ने दावा किया कि चीन की मदद पाकिश्तान को मिल रही थी और इसमें भारत के राफेल विमान को गिराया गया।

सवाल उठे कि क्या भारत पाकिश्तान के साथ ही नहीं, बल्कि छिपे हुए चीन के साथ भी लड़ रहा था। हालांकि रविवार को तीनों सेनाओं की तरफ से जो संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की गई, उसमें वायुसेना के एयर मार्शल एके. भारती से जब यह सवाल किया गया कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान को नुकसान पहुंचा है? उन्होंने कहा कि हम अभी भी युद्ध के हालत में हैं। और नुकसान इसका एक हिस्सा है।

सवाल यह है कि क्या हमने अपना उद्देश्य हासिल कर लिया है? इसका जवाब है हां। जहां तक विश्तृत जानकारी का सवाल है, इस समय मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा क्योंकि हम अभी भी युद्ध में हैं और विरोधी पर बढ़त हासिल कर रहे हैं। हमारे सभी पायलट घर वापस आ गए हैं। एयर मार्शल भारती ने तो सधा हुआ जवाब दे दिया। हमारी सेना ने भी सधी हुई कार्रवाई ही की। लेकिन सत्ताधारी भाजपा इस बार संतुलन खोती नजर आई, जिसमें देश को नुकसान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर : एक पूर्व-सुनिशिचत नाकामी का रोजनामचा

राजेंद्र शर्मा

जिस तरह से यह युद्घविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्घविराम, अमेरिका के हश्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं।

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे 'कामयाब' साबित करने की विभिन्न श्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे-तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दश्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी।

वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है।

इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ-भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वाश्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा।

आने वाले दिनों में बार-बार दोहराने के जरिए, 'जीत' के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी।

विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुरख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक श्तर पर उनके ऊल-जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत-विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार के प्रति आलोचात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चैनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दश्त सरकारी प्रहार किया गया था।

इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, दवायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज़ चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर भी गिरी थी।

बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्घ विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव के परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि 'जीत' का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ-भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वाश्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है।

इस संघी ट्रोल सेना के मिस्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है।

इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हश्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था।

बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बक्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ-भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए। और यह भी संयोग ही नहीं है कि हिमांशी नरवाल और मिस्री की पुत्री, दोनों को ही उनके जेएनयू नेक्शन के हवाले से इस ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया है।

बेशक, जिस तरह से यह युद्घविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्घविराम, अमेरिका के हश्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है।

इसने, कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिशों से भारत को निजात दिलायी है। लेकिन, अमरीकी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा विदेश सचिव के सार्वजनिक बयानों के बाद, इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह गयी है कि अमेरिका की मध्यस्थता में ही यह युद्घविराम हुआ है। और यह भारत के बहु-प्रचारित रुख के लिए एक बड़ा धक्का है।

लेकिन, आम नाराजगी सिर्फ अमेरिका के दखल के लिए गुंजाइश बनाए जाने पर ही नहीं है। नाराजगी खुद इस युद्घविराम को लेकर भी है। सैन्य मामलों के विशेषज्ञों से लेकर, आम लोग यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि आखिरकार, इस ऑपरेशन सिंदूर का हासिल क्या है? सैन्य मामलों के जानकार, जीत और कामयाबी के दावों को ज्यादा महत्व देने के लिए तैयार नहीं हैं।

इनमें जंगबंदी पर भावनात्मक प्रतिक्रिया करने वालों और अनाप-शनाप मांगें करने वालों से अलग, ऐसे वश्तुगत नजरिया अपनाने वाले भी शामिल हैं, जो यह जानते भी हैं और मानते भी हैं कि ऐसी लड़ाइयों का अंत, युद्घविराम में ही होता है और युद्घ जितना कम चले और युद्घविराम जितना जल्दी हो, सभी के लिए उतना ही बेहतर होता है।

इस जंगबंदी से उठने वाला असली मुद्दा यह है कि अगर इस तरह के परिणामों पर ही जंगबंदी होनी थी, तो क्या जंग शुरू किए जाने की रणनीति ही गलत नहीं थी? बेशक, पहलगाम की नृशंसता को बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता था।

लेकिन, इसके लिए जो रणनीति आपरेशन सिंदूर के नाम से मोदी सरकार ने अपनायी, वह इकलौती रणनीति तो नहीं थी। इससे भिन्न, क्या 26/11 के बाद भारत द्वारा अपनायी गयी रणनीति ही कहीं बेहतर नहीं थी, जिसमें मुंबई पर हमला करने वाले सभी आतंकवादियों को न सिर्फ मार गिराया गया था और जिंदा पकड़े गए इकलौते आतंकवादी अजमल कस्साब को बाकायदा कानूनी प्रक्रिया का पालन कर फांसी दी गयी थी, आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे हेंडलरों तथा कुल मिलाकर पाकिस्तान की संलिप्तता को भी, व्यापक रूप से बेनकाब करना संभव हुआ था।

इसके मुकाबले, मोदी सरकार ने सैन्य ऑपरेशन का जो नाटकीय तरीका अपनाया, उसका हासिल कहीं कम है और कीमत कहीं ज्यादा है। इसके बावजूद, मोदी सरकार ने वही राश्ता अपनाया, जबकि उन्हें बखूबी पता था कि इसका परिणाम ऐसे शस्त्र विराम में होना है।

मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर का ही राश्ता क्यों अपनाया, इसका कारण समझना कोई बहुत मुश्किल भी नहीं है।

इन कारणों की शुरूआत, पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार, भारी सुरक्षा चूक पर पर्दा डालने की जरूरत से होती है। इस सुरक्षा चूक को यह सच और भी खटकने वाला बना देता है कि पिछले छः साल से ज्यादा से जम्मू-कश्मीर में वाश्तविक सत्ता केंद्र सरकार के हाथों में है और इसके लिए वहां तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की इस सरकार ने बाकायदा हत्या की है। इस पर्दापोशी के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर का ईवेंट आयोजित किया जाता है, जैसी कि नरेंद्र मोदी की जानी-पहचानी शैली है।

युद्घ के इस ईवेंट का आयोजन यह जानते हुए भी किया जाता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच ताकत का असंतुलन ऐसा नहीं है, जहां भारत निर्णायक सैन्य जीत हासिल कर सकता हो। उल्टे दोनों देशों के पास नाभिकीय हथियारों की मौजूदगी ने तो, परंपरागत बलों की ताकत के इस असंतुलन को बहुत हद तक पाट ही दिया है। ऐसे में 'ऑपरेशन सिंदूर' का वही हश्र होना था, जो कि हुआ है। अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिहाज से उसकी नाकामी पूर्व-निश्चित थी। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्घविराम के बाद, अब भारत और पाकिस्तान, दोनों ही अपनी 'जीत' के दावे करते रह सकते हैं।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं)

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है।

क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा।

यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम श्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ श्तर पर ही होगी।

पाकिश्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है।

एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिश्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया।

लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वश्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सही राश्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा।

उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया।

यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।'

ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं।

यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इश्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है।

भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेश्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए।

इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इश्तेमाल होगी।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

बिजली खरीद में फिक्स चार्ज पर खर्च होगा 51 फीसदी

अब 22 मई को नियामक आयोग करेगा सुनवाई

लखनऊ , एजेंसी। पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से दाखिल वार्षिक राजस्व आवश्यकता में बिजली खरीद में 51 फीसदी फिक्स चार्ज और 49 फीसदी फ्यूल चार्ज रखा गया है। इसी तरह जल विद्युत खरीद प्रस्ताव को चार हजार से बढ़ाकर छह हजार मेगावाट कर दिया गया है। अब इस मामले में 22 मई को नियामक आयोग सुनवाई करेगा। वर्ष 2025-26 के बिजली खरीद में फिक्स चार्ज के रूप में 45614 करोड़ और 43141 करोड़ फ्यूल चार्ज प्रस्तावित किया गया

है। उपभोक्ताओं के लिए करीब 88755 करोड़ की बिजली खरीद का प्रस्ताव है। बिना टैरिफ बढ़ोतरी के राजस्व प्राप्ति का आकलन करीब 85041 करोड़ रुपये बताया गया है।

वहीं, सभी बिजली कंपनियों ने निजीकरण के पहले वर्ष 2028 तक के लिए 4000 मेगावाट जल बिजली खरीदने के लिए टेंडर जारी करने का प्रस्ताव बनाकर नियामक आयोग को भेजा है। अब प्रस्ताव में बदलाव करके जल बिजली खरीद 6000 मेगावाट कर दिया गया है। खरीद वर्ष 2032 तक के लिए इसे प्रस्तावित किया गया है। अब पूरे मामले में नियामक आयोग 22 मई को सुनवाई कर कॉर्पोरेशन से इस बढ़ोतरी के बारे में पूछेगा।

उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा भार

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पॉवर कॉर्पोरेशन ने फिक्स चार्ज में 51 फीसदी रखा है यानी जिस उत्पादन इकाई से समझौता किया गया है, उससे बिजली खरीद की जरूरत हो या न हो, लेकिन उसे तय फिक्स चार्ज का भुगतान करना ही होगा। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर भार बढ़ोतरी के रूप में पड़ेगा। निगमों का घाटा भी बढ़ना तय है।

10 विदेशी भाषाओं में होगा यूपी की खूबसूरती का बखान

शॉर्ट फिल्मों से होगी पर्यटक सर्किट की ब्रांडिंग

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विभाग प्रदेश के पर्यटक आकर्षणों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए एनामॉर्फिक फिल्मों का निर्माण कराएगा। इस परियोजना में प्रदेश के 12 प्रमुख पर्यटक सर्किट को दो मिनट की शॉर्ट फिल्मों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। हर

फिल्म में छह सर्किट को शामिल किया जाएगा। इसमें सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व को रचनात्मक और दृश्य के माध्यम से उभारा जाएगा। इन फिल्मों को 10 विदेशी भाषाओं (फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, इतालवी, रूसी, पुर्तगाली, अरबी, थाई, जापानी और कोरियाई) में डब किया जाएगा। ताकि वैश्विक दर्शकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित हो सके। फिल्में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कराई जाएंगी। संबंधित एजेंसी को यह काम 120 दिनों में पूरा करना होगा।

धान खरीद घोटाला: एसआईटी जांच में होश उड़ाने वाला खुलासा

जिले से लेकर पीसीएफ मुख्यालय तक के अफसर नपेंगे

लखनऊ , एजेंसी। प्रादेशिक कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड में धान खरीद घोटाले के तार जिलों से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक जुड़े हैं। एसआईटी जांच में इसके भी सुबूत मिले हैं। मामले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को सौंपे जाने के बाद अमित चौधरी से जुड़े अफसर भी कार्रवाई की जद में आ सकते हैं। इसी तरह तत्कालीन एसडीएम, एडीएम और लेखपाल पर भी गाज गिर सकती है, क्योंकि उस वक्त किसान सत्यापन का कार्य इन्हीं के जिम्मे था।

वर्ष 2023-24 में धान खरीद घोटाले की जड़ें काफी गहरी हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बस्ती के जिला प्रबंधक रहते अमित चौधरी को पहले सिद्धार्थनगर का चार्ज दिया गया। फिर सिद्धार्थनगर में नियमित करके बस्ती का चार्ज थमा दिया गया। वह सिद्धार्थनगर ही नहीं बस्ती, संत कबीरनगर सहित अन्य जिलों में भी धान खरीद में चल रहे खेल को संचालित करता रहा। मामला सदन में उठने के बाद जांच शुरू हुई।

सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की जांच में जिला प्रबंधक के साथ ही अकाउंटेंट परमानंद उपाध्याय, छह क्रय केंद्र प्रभारी, धान ढुलाई में लगे ठेकेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जांच के दौरान पता चला कि 37 क्रय केंद्र पर धान खरीद में घालमेल किया गया। जांच में लगी पुलिस ने करीब 4200 किसानों के खातों की पड़ताल की है। इसमें पता चला कि कई किसानों ने 63 बार धान बेचा है। इनके खाते एक ही हैं, लेकिन ओटीपी के लिहाज से मोबाइल नंबर बदल-बदल कर प्रयोग किया गया है।

एसडीएम के पास थी सत्यापन की जिम्मेदारी– धान बिक्री के संबंध में किसान के ऑनलाइन आवेदन पर लेखपाल रिपोर्ट लगाता है। पांच हेक्टेयर से कम भूमि वालों का सत्यापन एसडीएम और इससे अधिक भूमि वाले किसानों का सत्यापन एडीएम करते हैं। ऐसे में ईओडब्ल्यू की जांच के दायरे में लेखपाल, एसडीएम और एडीएम भी आएंगे।

खरीद हुई नहीं, ढुलाई में लाखों खर्च– धान खरीद में पीसीएफ के अधिकारियों के साथ ही क्रय केंद्र प्रभारियों और ढुलाई में लगे ठेकेदारों की भी मिलीभगत रही। बिना धान खरीदे ही ढुलाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए है। जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि ढुलाई में 10 ठेकेदार काम कर रहे थे। इसमें से दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई और वे जेल में हैं। इसी तरह 37 क्रय केंद्रों में से छह केंद्र प्रभारियों को भी जेल भेजा जा चुका है। अब अन्य क्रय केंद्रों से जुड़े डाटा की भी पड़ताल की जा रही है। इन केंद्रों के दस्तावेज और यहां धान बेचने वाले किसानों का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस अकाउंटेंट की तलाश में लगी है। उसके लखनऊ स्थित आवास पर भी छापे मारे गए, लेकिन वह हाथ नहीं लगा।

दोषियों के खिलाफ शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी– मामले में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने बताया कि पीसीएफ के जिला प्रबंधक सहित अन्य लोगों को निलंबित कर जांच शुरू कराई गई। जिला प्रबंधक को बर्खास्त कर दिया गया है। अन्य दोषी विभागीय अधिकारियों के खिलाफ भी शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में चार हजार करोड़ का निवेश करेगा यूएई का शाही परिवार

मछली पालन में यूपी बनेगा सबसे बड़ा गढ़

लखनऊ , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का शाही परिवार उन्नाव में मत्स्य पालन में बड़ा निवेश करेगा। यूएई के शाही परिवार के सदस्य और एक्रॉब्रिज होल्डिंग्स के चेयरमैन शेख अहमद बिन मना बिन खलीफा अल मकतूम ने 461 मिलियन डॉलर (करीब 4000 करोड़ रुपये) के निवेश को मंजूरी दे दी है। दुबई में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शेख मकतूम को राज्य सरकार की ओर से पूरे सहयोग का आश्वासन देते हुए यूपी आने का न्योता भी दिया। उन्नाव इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में होने वाले इस निवेश से राज्य में मत्स्य पालन को नई दिशा मिलेगी और यूपी बड़ा गढ़ बनकर उभरेगा। शाही परिवार की होल्डिंग कंपनी इस रकम का निवेश फिश हैचरी, फिश प्रोसेसिंग प्लांट, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और फिश फीड प्लांट में करेगी। पूरा प्रोजेक्ट यूपी एग्रीज प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। इस बड़े प्रोजेक्ट को यूपी में लाने के लिए विश्व बैंक की भूमिका अहम रही। ऐसे ही एक प्रोजेक्ट में विश्व बैंक और शाही परिवार मॉरीशस में साथ काम कर रहे हैं। आठ मई को मुख्य सचिव ने दुबई यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय निवेश, रणनीतिक साझेदारी और एक्रॉकल्चर पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में कई बैठक कीं। प्रदेश सरकार के प्रयासों को वैश्विक मंच पर पेश करते हुए यूपी को एक भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में बताया। उन्होंने दुबई स्थित वॉटरफ्रंट मार्केट के आधुनिक माडल को देखा। ऐसा ही मॉडल यूपी में मत्स्य उत्पादन और विपणन के लिए विकसित किया जाएगा। यह मार्केट उत्पादकों और खरीदारों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और बेहतर मूल्य दिलाता है। प्रदेश में यह एक्रॉकल्चर ईकोसिस्टम लखनऊ में स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है।

- **एक लाख मत्स्य पालकों को आधुनिक बनाया जाएगा–** समझौते का लक्ष्य एक लाख मत्स्य पालकों को अत्याधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित करना है। अभी यूपी और बिहार में मत्स्य पालकों के पास मछली के 40 फीसदी बच्चे अवैध रूप से बांग्लादेश से आते हैं। लेकिन, अब यूपी मछली पालन का सबसे बड़ा गढ़ बनकर उभरेगा। उन्नाव में निवेश को अंतिम रूप देने से पहले शाही परिवार की कंपनी के विशेषज्ञों ने उन्नाव के पानी का परीक्षण भी किया था।

यूपी की निवेश अनुकूल एफडीआई नीति पेश की गई

इस दौरान संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य व्यापार मध्यस्थ एवं अर्थव्यवस्था मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मामलों के सहायक अवर सचिव जुमा मोहम्मद अल कैत से मुलाकात की। यूएई निवेश मंत्रालय के निदेशक मो. जैनल अलजारूनी और एफडीआई विशेषज्ञ डैनियल रेयमंड सेलर्स के सामने यूपी की निवेश अनुकूल एफडीआई नीति पेश की गई।

बिजली निजीकरण के मुद्दे पर प्रबंधन और समिति की बैठक बेनतीजा

कर्मचारियों का आंदोलन आगे बढ़ना तय

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार को बिजली निजीकरण के मुद्दे पर पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल और विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता बेनतीजा रही। इस मसले पर दोनों ने अलग-अलग तर्क दिए। ऐसे में अब बिजलीकर्मियों का आंदोलन आगे बढ़ना तय माना जा रहा है। 14 मई को समिति पदाधिकारी बैठक कर आगे की रणनीति का एलान करेंगे।

निजीकरण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर शक्ति भवन में हुई बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने निजीकरण के प्रयोग को आगरा, ग्रेटर नोएडा और ओडिशा में विफल बताया। समिति ने पूर्व में हुए समझौतों का हवाला देते हुए सुधार शुरू करने की बात रखी और पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण को थोपने का आरोप लगाया। पदाधिकारियों ने बताया कि विद्युत उत्पादन निगम से वितरण निगमों को 4.17 रुपये और सेंट्रल सेक्टर से औसतन 4.78 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलती है। निजी घरानों से 5.45 रुपये प्रति यूनिट की दर से तथा शॉर्ट टर्म पॉवर परचेज से 7.31 रुपये प्रति यूनिट बिजली खरीदी जा रही है। अन्य माध्यमों से 14.204 रुपये तक प्रति यूनिट की खरीद होती है। महंगी बिजली खरीदने की वजह से उत्पादन निगम की तुलना में लगभग 9521 करोड़ का अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। समिति के प्रतिनिधिमंडल में शैलेंद्र दुबे, जितेंद्र सिंह गुर्जर, महेंद्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद शामिल हुए।

पॉवर कॉर्पोरेशन का तर्क, लगातार बढ़ रहा राजस्व गैप

बैठक के बाद पॉवर कॉर्पोरेशन एक बयान जारी किया। इसमें बताया गया कि ऊर्जा की आपूर्ति और प्राप्त होने वाले राजस्व में गैप लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में 8000 करोड़ की सब्सिडी एंड लांस फंडिंग की गई, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 46000 करोड़ से अधिक हो गई। वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 60 हजार करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। पांच साल से बिजली दर नहीं बढ़ी हैं। अलग-अलग ऊर्जा स्रोतों से बिजली खरीद के समझौते अन्य प्रदेशों की अपेक्षा कम हैं। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल निगमों की वाणिज्यिक मानक सबसे खराब है। पूर्वांचल में प्रति यूनिट विद्युत आपूर्ति पर 4.33 रुपये और दक्षिणांचल में 3.99 रुपये की हानि हो रही है।

निजी प्रैक्टिस करने वाले दो चिकित्सा शिक्षक बर्खास्त

सात अन्य चिकित्सक और दो ष्टरू पर भी कार्रवाई की तैयारी

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के कानपुर स्थित गणेश शंकर विधार्थी मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) के दो चिकित्सा शिक्षकों को प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा सात डॉक्टर व दो सीएमओ के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है।

जीएसवीएम के न्यूरो सर्जरी विभाग में सह आचार्य डॉ. राघवेंद्र गुप्ता और पैथोलॉजी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. स्वप्निल गुप्ता पर प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप लगे थे। मामले की कानपुर मंडलायुक्त ने जांच कराई थी। इसमें प्राइवेट प्रैक्टिस की पुष्टि हुई। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आदेश पर दोनों को बर्खास्त कर दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे चिकित्सा शिक्षकों की विभाग में कोई जरूरत नहीं है। ऐसे ही कानपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान के निदेशक पर आउटसोर्स मैनपावर की निविदा में लापरवाही के आरोप लगे हैं। उप मुख्यमंत्री ने बिड को निरस्त कर प्रमुख सचिव को संस्थान के निदेशक से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए हैं। इनके अलावा विभिन्न अस्पतालों में तैनात सात चिकित्सकों को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

गैरहाजिर डॉक्टरों की बर्खास्तगी की तैयारी– सीतापुर की महमूदाबाद सीएचसी में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतु रानी और बागपत जिला संयुक्त चिकित्सालय में एनस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. मोनू चौधरी लंबे समय से बिना बताए गैरहाजिर हैं। इन डॉक्टरों को एक माह का नोटिस देकर बर्खास्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो सीएमओ को कारण बताओ नोटिस– डिप्टी सीएम के आदेश पर कानपुर नगर के सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमि के खिलाफ अनियमितता व अन्य कई आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ऐसे ही फर्रुखाबाद के सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

सौरभ हत्याकांड में बड़ा खुलासा

ना किसी ने कत्ल होते देखा, ना मुस्कान-साहिल ने किसी की मदद ली

मेरठ , एजेंसी। ब्रह्मपुरी पुलिस ने बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में 54 दिन बाद न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी। करीब 1000 पेज की चार्जशीट में पुलिस ने 34 गवाहों के बयान दर्ज किए।

गवाहों ने हत्याकांड में पुलिस को अपने बयान और साक्ष्य दिए हैं। मुस्कान की मां कविता रस्तोगी, पिता प्रमोद रस्तोगी ने भी अपनी बेटी के खिलाफ बयान दिए और सौरभ की हत्या का दोषी बताया। पुलिस ने भी अपने चार्जशीट में मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को ही सौरभ की हत्या का दोषी माना है। तीसरा इस हत्याकांड में कोई नहीं है। चर्चित हत्याकांड में कोई चश्मदीद गवाह भी नहीं है।

ब्रह्मपुरी थाने के प्रभारी निरीक्षक और इस हत्याकांड के विवेचक इंस्पेक्टर रमाकांत पचौरी ने सोमवार को सीजेएम न्यायालय में चार्टशीट दाखिल की। आरोप पत्र में बताया गया कि प्रेम प्रसंग में सौरभ बाधा बन रहा था, इसी कारण मुस्कान और साहिल शुक्ला ने उसकी हत्या कर दी। दोनों ने ही हत्या की साजिश रची थी। तीसरा इसमें कोई नहीं था।

सीने में चाकू घोप कर हत्या करके बाद मुस्कान ने उस्तरे से और साहिल शुक्ला ने छूरी से सौरभ की गर्दन और दोनों हाथ काटे थे। सौरभ को बीच रास्ते से हटाने के बाद दोनों शादी करना चाहते थे। हत्याकांड को अंजाम देन के बाद दोनों शिमला, मनाली, कसौल घूमने गए, वहां पर दोनों पति-पत्नी के रूप में होटलों में ठहरे थे।

इन सब को बनाया गवाह– पुलिस ने एक हजार पेज के आरोप पत्र में सौरभ के भाई बबलू, मां रेणू, बहन चिंकी, मुस्कान की मां कविता रस्तोगी, पिता प्रमोद रस्तोगी, मुस्कान-साहिल को हिमाचल प्रदेश घूमाने ले गए टैक्सी ड्राइवर अजब सिंह, दवा लिखने वाले डॉक्टर, दवाई देने वाले दुकानदार अमित कौशिक, घंटाघर पर ड्रम विक्रेता सिराजुद्दीन, सौरभ के मकान मालिक ओमपाल, चाकू विक्रेता, ड्रम विक्रेता, शारदा रोड पर सीमेंट व बालू विक्रेता, सौरभ के दोस्त को गवाह बनाया है। इनके अलावा शिमला, मनाली, कसौल में मुस्कान और साहिल जिन होटलों में ठहरे थे वहां के होटल संचालकों को भी गवाह बनाया गया है। पोस्टमार्टम करने वाले दो डॉक्टर, ड्रम तोड़ कर शव के टुकड़ों को बाहर निकालने वाले स्वास्थ्य कर्मी के भी बयान दर्ज किए गए है। इन सब के अलावा आरोप पत्र में करीब 10 पुलिसकर्मी भी शामिल है।

एसएसपी डॉ विपिन ताडा ने बताया कि सौरभ हत्याकांड से संबंधित सभी साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। साथ ही केस से जुड़े करीब 34 लोगों के बयान को मजबूत आधार बनाया है, ताकि मुस्कान और साहिल को कड़ी सजा मिल सके। सोमवार को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए गए है। सहायक पुलिस अधीक्षक अंतरिक्ष जैन ने बताया कि कोर्ट में पेश किए गए आरोप पत्र में छह पेज में कम्प्यूटराईज चार्जशीट की समरी, विवेचक की केस डायरी, सीडीआर, नकल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट आदि दस्तावेज शामिल है।

डिजिटल साक्ष्य भी एकत्र किए

मेरठ। ब्रहमपुरी पुलिस ने सौरभ हत्याकांड में दस्तावेज के एकत्र किए गए साक्ष्यों के अलावा इलेक्ट्रोनिक्स और डिजिटल साक्ष्य भी एकत्र किए है। सभी गवाहों के बयान कागजों में दर्ज करने के अलावा गवाहों की वीडियो भी बनाई गई है। ये सभी साक्ष्य न्यायालय में मुकदमे के ट्रायल के दौरान प्रस्तुत किए जाएंगे।

तंत्रमंत्र को नकारा

पुलिस ने अपने आरोप पत्र में हत्याकांड की वजह प्रेम प्रसंग बताया है। इसमें तंत्र मंत्र का कोई जिक्र नहीं किया है। हत्याकांड के बाद साहिल के कमरे में मिले सामान को लेकर चर्चा की थी कि तंत्र मंत्र के लिए सौरभ की गर्दन काट कर हत्या कर गई है। पुलिस ने जांच में तांत्रिक क्रिया को नकार दिया है। आरोप पत्र साफ लिखा कि मुस्कान और साहिल पढ़ाई के दौरान से ही एक दूसरे को जानते थे। 2019 में दोनों की फिर से मुलाकात हुई, जो प्रेम प्रसंग में बदल गई। सौरभ बाधक बन रहा था इसलिए दोनों ने उसकी हत्या कर दी, ताकि दोनों शादी कर सके।

यह था हत्याकांड

लंदन के एक मॉल में काम करने वाला सौरभ राजपूत पूर्व में नेवी मर्चेंट में काम करता था। लंदन से 24 फरवरी को मेरठ अपने घर ब्रह्मपुरी आए सौरभ राजपूत ने 25 फरवरी को बेटी पीहू का जन्म दिन और 27 फरवरी को मुस्कान का जन्म दिन मनाया था। सौरभ की 3 मार्च की रात को उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर सीने में चाकू घोंप कर हत्या कर दी थी। इसके बाद दोनों ने शव के टुकड़े कर उसे प्लास्टिक के नीले ड्रम में सीमेंट के घोल से सील कर दिए थे। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद पांच मार्च को दोनों घूमने के लिए हिमाचल प्रदेश चले गए थे। 17 मार्च को दोनों मेरठ लौट कर आए थे। 18 मार्च को इस बहुचर्चित हत्याकांड का खुलासा हुआ था। 19 मार्च को पुलिस ने सौरभ के भाई बबलू की ओर से हत्या का मुकदमा दर्ज कर मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था, तभी से दोनों जेल में बंद है।

जेल में दो मिनट के लिए मिले मुस्कान-साहिल– सौरभ हत्याकांड में सोमवार को मुस्कान-साहिल की कोर्ट में रिमांड को लेकर पेशी थी। दोपहर को दोनों को जिला कारागार के वीडियो कार्फ्रेसिंग रूम में लाया गया। दोनों करीब दो मिनट तक एक साथ रहे, मगर बोले कुछ नहीं रहे। वीडियो कांफ्रेसिंग से दोनों की जिला जज कोर्ट में पेशी हुई।

विराट-अनुष्का प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे

महाराज ने विराट से पूछा- प्रसन्न हो, अनुष्का को राधा नाम जपने का उपदेश दिया

मथुरा (एजेंसी)। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन मथुरा के वृंदावन पहुंचे। पत्नी अनुष्का शर्मा भी उनके साथ थीं। दोनों सुबह प्रेमानंद महाराज के केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने प्रेमानंद महाराज को दंडवत प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। प्रेमानंद महाराज ने विराट और अनुष्का से पूछा- प्रसन्न हो? इस पर विराट ने मुस्कुराकर कहा- हां। महाराज ने दोनों को आशीर्वाद दिया- जाओ, खूब आनंदित रहो, नाम जप करते रहो। इस पर अनुष्का ने पूछा- बाबा क्या नाम जप से सबकुछ पूरा हो जाएगा? महाराज ने कहा- हां, सब पूरा होगा।

प्रेमानंद महाराज ने विराट-अनुष्का से करीब 7 मिनट बातचीत की - विराट और अनुष्का मथुरा के होटल रेडिसन में ठहरे हुए थे। दोनों सुबह 7.20 बजे प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक दोनों ने महाराज से करीब 7 मिनट तक अकेले में भी बातचीत की। प्रेमानंद आश्रम की तरफ से इस मुलाकात का पूरा वीडियो भी जारी किया गया है।

विराट-अनुष्का 2 घंटे 20 मिनट आश्रम में रहे - प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जाने के करीब आधे घंटे बाद विराट-अनुष्का लौटे। आश्रम में 2 घंटे 20 मिनट ठहरकर वे सुबह 9.40 बजे वहां से निकले। इस दौरान दोनों ने आश्रम के कामकाज को देखा-समझा।

महाराज बोले- भगवान की कृपा से अंदर का चिंतन बदलेगा - प्रेमानंद महाराज ने कहा- वैभव मिलना कृपा नहीं है। यह पुण्य है। भगवान की कृपा अंदर का चिंतन बदलना है। इससे आपके अनंत जन्मों के संस्कार भस्म होते हैं और अगला जन्म बड़ा उत्तम होता है।

भगवान जब कृपा करते हैं तो संत समागम देते हैं। दूसरी कृपा जब होती है तो विपरीतता देते हैं और फिर अंदर से एक रास्ता देते हैं। यह शांति का रास्ता नहीं। भगवान वो रास्ता देते हैं और जीव को अपने पास बुला लेते हैं। बिना प्रतिकूलता के संसार का राग नष्ट नहीं होता।

जितने बड़े महापुरुष हुए, सबने प्रतिकूलता देखी - महाराज ने कहा- भगवान ने बिना प्रतिकूलता के इस संसार को छुड़ाने की कोई भी औषधि नहीं रखी। आज तक जितने बड़े महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन बदला है, उनको प्रतिकूलता के दर्शन करने पड़े हैं। तो कभी प्रतिकूलता आए तो उस समय आनंदित हों कि मेरे ऊपर अब भगवान की कृपा हो रही है। मुझे सतमार्ग में चलने की प्रेरणा मिल रही है। महाराज ने कहा- हमारी आखिरी श्वास यदि राधा तो मुझे श्रीजी की प्राप्ति, भगवान की प्राप्ति हो जाएगी।

विराट तीसरी बाद वृंदावन पहुंचे, जनवरी में दो बार प्रेमानंद महाराज से मिले - विराट कोहली का वृंदावन का यह तीसरा दौरा था। इससे पहले वह 4 जनवरी 2023 और 10 जनवरी 2025 को वृंदावन आए थे। दोनों बार प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी।

सोमवार को विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया - विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा था- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए। विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए।

रोहित-कोहली के इस तरह टेस्ट से संन्यास लेने से खुश नहीं कुंबले

बोले- उचित विदाई दी जानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ी उचित विदाई के हकदार हैं। रोहित और कोहली ने पांच दिनों के अंदर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया जिससे इंग्लैंड दौरे से पहले भारत को दोहरा झटका लगा है। कुंबले ने इन दोनों दिग्गजों के इस तरह विदाई लेने पर हैरानी जताई और कहा कि रोहित-कोहली को इस प्रारूप से उचित तरीके से विदाई देनी चाहिए थी।

कुंबले बोले- प्रशंसक समारोह का हिस्सा होना चाहते हैं

कुंबले ने बीसीसीआई से इस मामले में संज्ञान लेकर रोहित और कोहली को उचित विदाई देने की मांग की। कुंबले ने कहा, अभी कुछ दिन पहले रोहित शर्मा और फिर विराट कोहली। मुझे लगता है कि दोनों ही खिलाड़ी मैदान पर एक उचित विदाई के हकदार थे। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जो लोग इन चीजों को देखते हैं, उन्हें इस पर ध्यान देना चाहिए। मुझे पता है कि यह सोशल मीडिया का युग है। प्रशंसक उस समारोह का हिस्सा होना चाहते हैं, वहां बहुत सारे प्रशंसक होते और जोरदार विदाई होती।

इंग्लैंड दौरे को लेकर चिंता व्यक्त की

इसके अलावा, कुंबले ने आगामी इंग्लैंड दौरे को लेकर भी चिंता व्यक्त की क्योंकि रोहित और कोहली ने टीम में एक बड़ा अंतर पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा, रोहित ने संन्यास ले लिया है, वह कुछ समय तक कप्तान रहे थे और विराट शायद भारत के सबसे सफल कप्तान हैं और आप चाहते होंगे कि उनमें से कोई एक खिलाड़ी टीम में रहे। इंग्लैंड में मुकाबला कठिन होने वाला है, यह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज है। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को भी यह बात हैरान कर गई होगी। मुझे यकीन है कि चयनकर्ता उन्हें टीम में शामिल करने के बारे में सोच रहे होंगे।

भारतीय टीम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके साथ ही टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अगले चक्र की शुरुआत करेगी। रोहित के संन्यास लेने के बाद भारत नए टेस्ट कप्तान की अगुआई में उतरेगा। रोहित और कोहली के बाद भारतीय टीम में अधिक अनुभवी खिलाड़ी नहीं होंगे और भारत को इंग्लैंड की चुनौती का सामना करना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली, उनसे भिड़ने वाली महिला पत्रकार ने संन्यास के बाद दी शुभकामनाएं

सिडनी (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिये इस प्रारूप को अलविदा कहा। कोहली ने दुनिया के हर कोने में रन बनाए हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से उनकी प्रतिद्वंद्विता खास रही है। खासतौर पर कोहली ने ऑस्ट्रेलिया जाकर खूब रन बनाए हैं। यही वजह है कि जब भी वहां कोई सीरीज होती है तो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कोहली के नाम से प्रचार प्रसार करती है। वहां की मीडिया उनकी खूब तारीफ भी करती है। अब उनके टेस्ट से संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया के सभी अखबारों ने उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। इतना ही नहीं, जिस महिला पत्रकार से वह मेलबर्न एयरपोर्ट पर तस्वीर को लेकर भिड़े थे, उस पत्रकार ने खुद पोस्ट कर कोहली को शुभकामना संदेश दिया है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली - भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन से महानता हासिल की है और अब वह सफेद जर्सी पहनकर उनके गेंदबाजों को परेशान नहीं कर पाएंगे। इसकी खुशी ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को जरूर होगी। सोमवार को कोहली ने अपने शानदार टेस्ट करियर से अलविदा कहा तो ऑस्ट्रेलिया के मुख्य अखबार 'दैनिक सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' ने इस भारतीय आइकन के बारे में कहा, ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कोहली का अविश्वसनीय बल्लेबाजी कौशल और मैदान पर तीखे तेवर का संयोजन आकर्षित करता था जिससे कईयो को उसमें अपनी झलक दिखती।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को कोहली की प्रतिद्वंद्विता पसंद - अखबार ने लिखा, कोहली की ऑस्ट्रेलिया में पहली सीरीज 2011-12 में थी जिसमें माइकल क्लार्क की अगुआई वाली टीम का प्रदर्शन एकतरफा रहा। 4-0 के स्कोरलाइन के बावजूद कोहली ने कई समकालीनों की तुलना में अधिक निडरता दिखाई और एडिलेड में शतक के साथ इसका समापन किया। एससीजी दर्शकों को अंगुली दिखाने के लिए उनकी आलोचना भी हुई। यह ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ लड़ाई की शुरुआत थी जो इस साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उनके अंतिम दिन समाप्त हुई जब उन्होंने उसी भीड़ को 'सैंडपेपर' का इशारा किया।'

ऐतिहासिक जीत की भी याद दिलाई - 'ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' (एबीसी) ने भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनके सफल कार्यकाल पर प्रकाश डाला जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीत भी शामिल है। एबीसी ने लिखा, उनके टेस्ट करियर को 2014 से 2022 के बीच कप्तान के रूप में उनके कार्यकाल के लिए भी याद किया जाएगा जिसमें उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में से 40 में जीत दिलाई और इस प्रारूप में देश के सबसे सफल कप्तान बने तथा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (53) और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (48) और स्टीव वॉ (41) के बाद जीत के मामले में चौथे स्थान पर रहे।न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू में छपी खबर का शीर्षक विराट कोहली ने संन्यास की घोषणा करके 1.4 अरब दिलों को तोड़ दिया रहा। वहीं फॉक्स स्पोर्ट्स ने लिखा कि कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति से भारतीय बल्लेबाजी लाइन अप में खालीपन आ जएगा।

महिला पत्रकार ने भी कोहली को दी बधाई - भारत के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली मेलबर्न एयरपोर्ट पर महिला पत्रकार नैट योआनिडिस से भिड़ गए थे। ऑस्ट्रेलिआई पत्रकार कोहली की इजाजत के बिना उनके बच्चों की तस्वीर लेने की कोशिश कर रहे थे। कोहली अपने निजी जीवन को सुर्खियों से दूर रखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि वह कई बार पत्रकारों को बच्चों वामिका और अकाय से दूर रहने के लिए कह चुके हैं। मेलबर्न में पत्रकारों को तस्वीर लेते देख वह भड़क गए थे। अब नैट ने इंस्टाग्राम स्टोरी में उनके साथ उसी विवाद की तस्वीर साझा की है। इसके कैप्शन में लिखा- विराट, एक बेहतरीन टेस्ट करियर के लिए आपको बधाई।

पूर्व ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक कोहली के संन्यास से हैरान, लिखा- हम इस गर्मी में...

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद क्रिकेट जगत एक युग के अंत को स्वीकार कर रहा है। इस मौके पर न केवल खिलाड़ियों, विशेषज्ञों और प्रशंसकों, बल्कि वैश्विक स्तर पर राजनीतिक हस्तियों ने भी कोहली के योगदान को सराहा है। इनमें से एक प्रमुख नाम है ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, जिन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोहली के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

सुनक ने लिखा- यह दुखद है कि हम इस गर्मी में आईएम विराट कोहली को आखिरी बार मैदान पर नहीं देख पाएंगे। वह खेल के दिग्गज रहे हैं- एक शानदार बल्लेबाज, एक कुशल कप्तान और एक जबरदस्त प्रतिस्पर्धी, जिन्होंने हमेशा टेस्ट क्रिकेट के असली मूल्य को समझा।

कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। दिल्ली में जन्मे इस क्रिकेटर ने अपने 14 साल के टेस्ट करियर में 123 मैचों में 9,230 रन बनाए, जिसमें 30 शतक शामिल हैं। कोहली ने न केवल भारतीय क्रिकेट में फिटनेस और तीव्रता को नए सिरे से परिभाषित किया, बल्कि टी20 के बढ़ते दबदबे के दौर में टेस्ट क्रिकेट के प्रति जुनून को फिर से जगाया।

सुनक का यह संदेश कोहली के गहरे प्रभाव को दर्शाता है, खासकर इंग्लैंड में, जहां उन्होंने जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे गेंदबाजों के साथ यादगार और कड़ा मुकाबला किया।

2018 में एजबेस्टन में उनकी शानदार शतकीय पारी को आज भी याद किया जाता है, जिसने इंग्लिश परिस्थितियों में उनकी बल्लेबाजी को एक नया आयाम दिया।

रोहित और विराट के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने की उम्मीद नहीं : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी)। भारत के सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने वनडे करियर को आगे बढ़ाने के लिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को लगता है कि वे लंबे समय तक खेल सकते हैं, लेकिन उन्हें 2027 विश्व कप में दोनों के खेलने की उम्मीद नहीं है।

रोहित और विराट ने भारत के कैरेबियाई सरजमीं पर 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद सबसे छोटे प्रारूप को अलविदा कह दिया था अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल वनडे में ही सक्रिय रहेंगे। रोहित 50 ओवर के खेल में तीन दोहरे शतकों के साथ सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं जबकि कोहली ने वनडे प्रारूप में 51 शतक लगाए हैं। दोनों ही इस प्रारूप में काफी सफल हैं। फिर भी महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को नहीं लगता कि रोहित और विराट के लिए 2027 विश्व कप में खेलना व्यावहारिक रूप से संभव है। गावस्कर ने कहा कि यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि चयनकर्ताओं को लगता है कि वे टीम में कितना योगदान दे सकते हैं।

गावस्कर ने कहा, वे खेल के इस प्रारूप में बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। फिर से, चयन समिति शायद 2027 विश्व कप को ध्यान में रखेगी। वे देखेंगे कि क्या वे 2027 विश्व कप के लिए टीम में शामिल हो पाएंगे। क्या वे उस तरह का योगदान दे पाएंगे जैसा वे दे रहे हैं? यह चयन समिति की विचार प्रक्रिया होगी। अगर चयन समिति सोचती है कि हाँ, वे कर सकते हैं, तो वे दोनों इसके लिए मौजूद होंगे।

गावस्कर ने कहा कि मौजूदा फॉर्म में रोहित और कोहली दोनों ही टीम में नहीं होंगे। उन्होंने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि वे खेलेंगे। मैं बहुत ईमानदार हूं। लेकिन, कौन जानता है, अगले एक साल में अगर वे शानदार फॉर्म में आ जाते हैं और अगर वे लगातार शतक बनाते रहते हैं, तो भगवान भी उन्हें नहीं हरा सकते। खराब फॉर्म के अलावा रोहित को अपनी फिटनेस से भी निपटना होगा, जिसके कारण मुंबई इंडियंस ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकांश मैचों में प्रभावशाली विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया है। हालांकि कोहली के मामले में फिटनेस कोई चिंता का विषय नहीं है और वह आईपीएल में 11 मैचों में 505 रन बनाकर शीर्ष फॉर्म में दिख रहे हैं, लेकिन भारत में 2023 विश्व कप के बाद से उनका वनडे फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 2027 विश्व कप में खेलने की इच्छा व्यक्त की है, यह देखना बाकी है कि वह अपने आप को बहुत कम खेल समय के साथ मैच के लिए फिट कैसे बनाए रखते हैं।

अहमदाबाद में होगा आईपीएल का फाइनल

● 17 मई से लीग फिर से शुरू होगी ● पाकिस्तान से तनाव के कारण 5 दिन पहले टूर्नामेंट रोका था

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का फाइनल और क्वालीफायर 2 अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग का फाइनल 3 जून को खेला जाना है। एक दिन पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के बचे 13 मैच का शेड्यूल रिलीज किया था। लेकिन प्लेऑफ के वेन्यू डिसाइड नहीं किए थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद को 1 जून को होने वाला क्वालीफायर-2 और 3 जून को खेला जाने वाला फाइनल की मेजबानी के लिए चुना गया है। प्लेऑफ के वेन्यू नहीं बताने का एकमात्र कारण मौसम है।

बोर्ड शेड्यूल को अंतिम रूप देने से पहले देश भर में मानसून की गतिविधियों पर नजर रख रहा है। वेदर के मुताबिक अहमदाबाद में जून की शुरुआत में बारिश होने की संभावना नहीं है।

पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण 9 मई को आईपीएल सस्पेंड करना पड़ा था। बीसीसीआई ने टूर्नामेंट को रोकते हुए कहा था कि देश इस समय युद्ध की स्थिति में है। ऐसे में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ठीक नहीं।

डेट	टीम-1	टीम-2	वेन्यू
17 मई	RCB	KKR	बेंगलुरु
18 मई	RR	PBKS	जयपुर
18 मई	DC	GT	दिल्ली
19 मई	LSG	SRH	लखनऊ
20 मई	CSK	RR	दिल्ली
21 मई	MI	DC	मुंबई
22 मई	GT	LSG	अहमदाबाद
23 मई	RCB	SRH	बेंगलुरु
24 मई	PBKS	DC	जयपुर
25 मई	GT	CSK	अहमदाबाद
25 मई	SRH	KKR	नई दिल्ली
26 मई	PBSK	MI	जयपुर
27 मई	LSG	RCB	लखनऊ

* डबल हेडर का पहला मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। शेष मैच शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे।

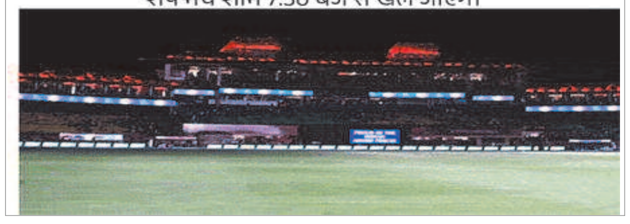

बेंगलुरु-कोलकाता मैच से होगी शुरुआत

17 मई को आरसीबी और केकेआर के बीच बेंगलुरु में पहला मैच होगा। जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में बाकी मुकाबले खेले जाएंगे। 27 मई को लीग स्टेज खत्म होगा। 18 और 25 मई को रविवार के दिन 2 डबल हेडर खेले जाएंगे। यानी 11 दिन में लीग स्टेज के 13 मैच होंगे।

पंजाब और दिल्ली के बीच धर्मशाला में 8 मई को होने वाला मैच पाकिस्तान से हुए हमलों के बीच रोकना पड़ा था। यह मुकाबला अब 24 मई को जयपुर में खेला जाएगा। प्लेऑफ मुकाबलों का वेन्यू फिलहाल तय नहीं है। पहले हैदराबाद और कोलकाता में 2-2 प्लेऑफ मैच खेले जाने थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका टीमें घोषित

● 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा मुकाबला

● पैट कमिंस और टेम्बा बावुमा कप्तानी करेंगे

सिडनी (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमों का ऐलान कर दिया गया है। यह मुकाबला 11 से 15 जून तक इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी पैट कमिंस करेंगे, जबकि टेम्बा बावुमा साउथ अफ्रीका की टीम को लीड करेंगे। ऑस्ट्रेलिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद वेस्टइंडीज का दौरा करना है, जिसके लिए भी उनकी यही स्क्वॉड रहेगी। यह दौरा 25 जून से शुरू होगा। मंगलवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा जारी टीम में ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन की टीम में वापसी हुई है। उन्होंने पीठ की चोट से पहले ग्रीन ने आखिरी बार मार्च 2024 में टेस्ट खेला था। वहीं, साउथ अफ्रीका में डोपिंग के कारण बैन झेल चुके कगिसो रबाडा को भी शामिल किया गया है।

कंगारू टीम में कोंस्टास-हेजलवुड को मौका - बीजीटी में भारत के खिलाफ डेब्यू करने वाले यंग सैम कोंस्टास को भी फाइनल टीम में जगह मिली है। इसके अलावा टीम में ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर ब्रेंडन डॉगेट को जगह मिली है। ब्रेंडन शेफील्ड शील्ड फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

कमिंस-हेजलवुड ने आईपीएल से वापसी की - टेस्ट टीम में कप्तान पैट कमिंस और साथी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी वापसी कर रहे हैं। दोनों प्लेयर्स चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से चूक गए थे और बाद में आईपीएल 2025 में वापसी की। हालांकि, हेजलवुड कंधे की चोट के कारण अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। बाद में भारत-पाक तनाव की वजह से लीग सस्पेंड हो गई।

डब्ल्यूटीसी वेस्टइंडीज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड – पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, जोश हेजलवुड, मैट कुहनेमन, नाथन लियोन और स्कॉट बोलैंड। ट्रैवलिंग रिजर्व – ब्रेंडन डॉगेट।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड – टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहाम, कॉर्बिन बॉस, टोनी डी जोरी, मार्को यानसन, केशव महाराज, ऐडन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, डेन पीटरसन, कगिसो रबाडा, रायन रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरेने।